डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 45 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 08 दिसम्बर से 14 दिसम्बर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

पश्चिमी बंगाल में बनेगी बाबरी मस्जिद

-तृणमूल, भाजपा और कांग्रेस के पूर्व नेता विधायक हुमायू कबीर ने 6 दिसंबर 2025 को रखी नींव

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडंगा में 6 दिसंबर 2025 को एक बड़ा प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 2 लाख मुसलमानों की भीड़ जुटी । तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायू कबीर की ओर से बाबरी मस्जिद के निर्माण की नींव रखने के लिए यह प्रोग्राम आयोजित किया गया । बाबरी मस्जिद का निर्माण यहां करीब 20 बीघा जमीन पर किया जाएगा साथ में कॉलेज, हॉस्पिटल आदि का भी निर्माण करवाया जाएगा । मस्जिद निर्माण पर करीब 90 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे । बेलडंगा में बनने वाली मस्जिद उसी तरह की बनाई जाएगी जिस तरह अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनी थी । अयोध्या में बाबरी मस्जिद को 6 दिसंबर 1992 को हिंदू संगठनों ने ढहा दिया गया था । टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायू कबीर बाबरी मस्जिद की याद में बाबरी मस्जिद की हूबहू कॉपी मस्जिद बेलडंगा में बनाना चाहते हैं । बाबरी मस्जिद के कार्यक्रम में पश्चिमी बंगाल के कोने-कोने से करीब दो लाख लोग मस्जिद निर्माण के लिए हाथों में ईंट और बजरी लेकर पहुंचे । प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे । पश्चिमी बंगाल हाईकोर्ट ने भी बाबरी मस्जिद निर्माण की अनुमति दी है । प्रोग्राम में सऊदी से भी कुछ मौलानाओं ने शिरकत की बताई जा रही है ।

कौन है हुमायू कबीर-

हुमायूं कबीर आईपीएस अधिकारी रहे हैं । कबीर पश्चिमी बंगाल पुलिस सर्विस में भर्ती हुए, फिर आईपीएस में प्रमोशन मिला । राजनीति में आने के लिए उन्होंने वालेंटियर रिटायरमेंट लिया था । शुरुआत में उन्होंने कांग्रेस से रिश्ता जोड़ा, फिर भाजपा में (2018-2021)

करीब 3 वर्ष रहे । 2021 में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस ज्वाइन किया और उसी वर्ष वे डेबरा निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए । 10 मई 2021 को उन्हें राज्य मंत्रालय (State मिनिस्टर)- Technical Education Training And Skill Development का मंत्री बनाया गया । अगस्त 2022 में उन्हें मंत्री पद से हटा दिया गया । निलंबित विधायक हुमायू कबीर के राजनीतिक सफर से जाना जा सकता है कि उनकी कोई निश्चित आईडियोलॉजी नहीं है । कांग्रेस, बीजेपी, तृणमूल कांग्रेस और अब कोई और पार्टी हो सकती है । हुमायूं कबीर की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बड़ी हैं । पश्चिमी बंगाल में 35 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या है । राजनीति में बड़ा करने के लिए हुमायू कबीर किसी भी पार्टी, व्यक्ति से हाथ मिला सकते हैं ।

राजनीतिक संभावनाएं-

हुमायू कबीर अब टीएमसी से निलंबित विधायक हैं । उन्होंने कांग्रेस, बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस में रहकर राजनीति की है । पढ़े-लिखे व्यक्ति हैं । उनको पता है कि देश में भावनाओं को उभार कर ही बड़ी राजनीति की जा सकती है । यदि कुछ बड़ा करने के लिए उन्हें भाजपा से छुपा हुआ या खुलकर समझौता करना पड़ा तो, वह कर लेंगे । अभी हुमायू कबीर एआईएमआईएम से समझौता करना चाहते हैं । बाबरी मस्जिद की कॉपी पश्चिमी बंगाल में बनाना उनकी धार्मिक सोच में राजनीतिक सोच दिखाई दे रही है । मुस्लिम बुद्धिजीवी इसके पीछे भाजपा का हाथ बता रहे हैं, क्योंकि पश्चिमी बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं । पश्चिमी बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को आसानी से नहीं हटाया जा सकता है । इसलिए भाजपा भी वहां ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है । यदि ममता बनर्जी की सेकुलर राजनीति थोड़ी भी कमजोर पड़ती है तो भाजपा और हुमायू कबीर जैसे नेताओं की राजनीति चमक सकती है । इसलिए कहा जा सकता है कि पश्चिमी बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने के पीछे धार्मिक एजेंडा से ज्यादा राजनीतिक एजेंडा दिखाई दे रहा है । हुमायू कबीर एक होशियार मुस्लिम नेता हैं । उन्होने कुछ ही दिनों में पूरे देश में अपने आपको चर्चित चेहरा बनवा लिया । देश का मीडिया भी उनका पूरा सहयोग कर रहा है ।

वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण नहीं कराने वाले मुतवल्लियों पर अगले 3 महीने तक कार्यवाही नहीं की जाएगी- किरेन रिजिजू

-वक्फ न्यायाधिकरण उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन का 6 महीने तक का समय और दे सकते हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने घोषणा की है कि UMEED पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण नहीं कराने वाले मुतवल्लियों पर अगले तीन महीनों तक कोई जुर्माना या सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार कानून से बंधी है और समय सीमा को नहीं बढ़ा सकती है, लेकिन प्रभावित पक्ष वक्फ न्यायाधिकरण (Waqf Tribunal) से संपर्क कर सकते हैं, जिसके पास छह महीने तक का अतिरिक्त समय देने का अधिकार है।

मुख्य जानकारी-

जुर्माने से तीन महीने की छूट-

मंत्री ने आश्वासन दिया कि 5 दिसंबर 2025 की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी, अगले तीन महीनों तक पंजीकरण कराने वालों पर जुर्माना नहीं लगाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का रुख-

सुप्रीम कोर्ट ने समय सीमा को एकमुश्त बढ़ाने से इनकार कर दिया था और याचिकाकर्ताओं को व्यक्तिगत राहत के लिए संबंधित वक्फ न्यायाधिकरणों में जाने का निर्देश दिया था।

न्यायाधिकरण की भूमिका-

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत, केवल वक्फ न्यायाधिकरण ही वैध कारणों, जैसे तकनीकी समस्याओं, के आधार पर छह महीने तक का विस्तार दे सकते हैं।

कानूनी बाध्यता-

किरेन रिजिजू ने जोर देकर कहा कि संसद द्वारा पारित कानून में संशोधन संभव नहीं है, इसलिए सरकारी स्तर पर समय सीमा नहीं बढ़ाई जा सकती।

पंजीकरण की स्थिति-

अब तक 1.5 लाख से अधिक संपत्तियां पोर्टल पर पंजीकृत हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में संपत्तियों का पंजीकरण बाकी है।

कांग्रेस की मांग पर क्या कह रही सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस के सांसद मोहम्मद जावेद ने शुक्रवार को सरकार से मांग की कि वक्फ संपत्ति यों के पंजीकरण के लिए 'उम्मीद' पोर्टल को खोलने की अवधि छह महीने के लिए बढ़ाई जानी चाहिए। कांग्रेस के मोहम्मद जावेद ने लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्ति के पंजीकरण का 6 दिसम्बर 2025 आखिरी दिन है। उन्होंने कहा कि हमने जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) में भी कहा था कि यह संभव नहीं है। अभी तक 30 प्रतिशत भी वक्फ संपत्तियां पंजीकृत नहीं हो पाई हैं।"

समय सीमा बढ़ाने की मांग क्यों?

जावेद ने कहा कि तकनीकी बाधाएं भी हैं, ऐसे में सरकार को पोर्टल पर पंजीकरण की अवधि छह महीने के लिए बढ़ानी चाहिए तथा यह जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए कि एक भी वक्फ जायदाद का पंजीकरण छूटे नहीं। दूसरी तरफ सरकार ने रजिस्ट्रेशन की तारीख बढ़ाने से इनकार किया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की संभावना से शुक्रवार को इनकार किया। वक्फ कानून बनाने के बाद हमने उम्मीद पोर्टल शुरू किया था और सभी वक्फ संपत्तियों को पोर्टल पर पंजीकृत करने के लिए संबंधित पक्षों को छह महीने की अवधि दी गई थी। 6 दिसम्बर को था आखिरी दिन और अब भी लाखों संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो सका है। कई सांसदों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने पोर्टल की मियाद बढ़ाने का आग्रह किया। किरेन रीजीजू केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

क्या कह रही सरकार?

रिजीजू ने कहा कि उन 'मुत्तवलियों' (वक्फ का देखभाल करने वाले) को तीन महीने तक जुर्माने और किसी कठोर सजा से राहत दी जाएगी, जो पंजीकरण करने का प्रयास करते हुए किसी वजह से सफल नहीं हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि शुक्रवार सुबह तक 1.51 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हो चुका था। मंत्री का यह भी कहना था कि जो लोग पंजीकरण नहीं कर पाए हैं वो वक्फ न्यायाधिकरण का रुख कर सकते हैं। रीजीजू ने इस बात का उल्लेख किया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देशों में स्पष्ट था कि छह महीने की समय सीमा के बाद तारीख को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है, लेकिन ट्रिब्यूनल के पास इसे छह महीने तक आगे बढ़ाने का अधिकार है।

जवानों को उचित सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य - भजनलाल शर्मा

-पूर्व सैनिकों के सम्मान में 'ऑनर रन' मैराथन का आयोजन

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे वीर जवान अपने परिवार से दूर रहकर, कठिन परिस्थितियों में निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते हैं। उनके अदम्य साहस और बलिदान के कारण ही हम सभी देशवासी चैन और सुकून से रह पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्व सैनिक केवल सेवानिवृत व्यक्ति नहीं, बल्कि अनुभव और अनुशासन के प्रतीक हैं। उनकी राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा हम सब के लिए प्रेरणादायी है। यह देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह जवानों को उचित मान-सम्मान दें। शर्मा ने रविवार को जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर थलसेना की दक्षिण पश्चिमी कमान की ओर से पूर्व सैनिकों की वीरता और बलिदान के सम्मान में आयोजित 'ऑनर रन' मैराथन को फ्लैग ऑफ किया। यह मैराथन सेना दिवस (15 जनवरी) के उपलक्ष्य में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में आयोजित की गई। मैराथन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़ हमारे राष्ट्र के उन अमर सपूतों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसका उद्देश्य हमारे पूर्व सैनिकों के साहस, बलिदान और अदम्य भावना का सम्मान करना है, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनर रन के माध्यम से हम यह सन्देश देना चाहते हैं कि राजस्थान अपने सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि ऑनर रन का आयोजन हमारी सामूहिक चेतना की अभिव्यक्ति है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे हमारे जांबाज सैनिकों के त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर देश के निर्माण में अपना योगदान दें।

'ऑनर रन' में नजर आया भारी उत्साह और जोश

अल्बर्ट हॉल पर आयोजित ऑनर रन मैराथन में 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की 3 श्रेणियों की दौड़ आयोजित की गई। मैराथन में सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों एवं आमजन ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। देशभक्ति के तरानों के बीच भारत माता की जयकार से माहौल जोश से भर उठा। कार्यक्रम में सेना की दक्षिण पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान पूर्व नौसेना अध्यक्ष एडमिरल माधवेन्द्र सिंह एवं जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित बड़ी संख्या में सेना के जवान, पूर्व सैनिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

सऊदी सरकार ने हज 2026 में किए बड़े बदलाव

-पुरुष महिलाओं के लिए होंगे अलग-अलग कमरे
-खाना खरीदकर लाना होगा, रसोई की सुविधा बंद
-सभी यात्रियों को स्मार्ट वॉच उपलब्ध कराई जाएगी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सऊदी अरब सरकार हज 2026 के मुकद्दस सफर को लेकर बड़े बदलाव करने जा रही है । अब मियां बीबी एक ही कमरे में नहीं रह सकेंगे । पुरुष और महिला यात्रियों के अलग-अलग कमरे अनिवार्य किए गए हैं । पुरुषों का महिलाओं के कमरों में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित होगा ।

रसोई सुविधा बंद-

हज यात्रियों को इस बार रसोई की सुविधा भी नहीं मिलेगी । हज यात्रा के दौरान उन्हें बाहर से भोजन खरीद कर खाना होगा । इसलिए भारतीय हज यात्रियों के हज यात्रा के खर्चे में कुछ इजाफा हो सकता है । पिछले साल भारतीय यात्रियों को संयुक्त कमरा और खुद खाना बनाने की छूट मिली थी, जो इस बार समाप्त कर दी गई है ।

सभी हज यात्रियों को स्मार्ट वॉच उपलब्ध करवाई जाएगी-

इस बार हज कमेटी ऑफ इंडिया सभी यात्रियों को मुफ्त स्मार्ट वॉच देगी । जिसे हज यात्रा और अधिक सुरक्षित और सुव्यवस्थित हो सकेगी ।स्मार्ट वॉच से हज यात्री को रियल टाइम, लोकेशन ट्रैकिंग, एसओएस बटन से तुरंत सहायता, हार्ट रेट और ऑक्सीजन लेवल, मॉनिटरिंग पैरामीटर से कदमों की गिनती, किबला कंपास और नमाज़ टाइम अलर्ट आदि की सटीक जानकारी मिल सकेगी । हज कमेटी का कहना है कि यह स्मार्ट वॉच विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी होगी और इसकी निगरानी सऊदी अरब में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास के कंट्रोल रूम से की जाएगी ।

हज के पाक सफर से किसी को वंचित नहीं रखा जाए- हाजी निजामुद्दीन

राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव हाजी निजामुद्दीन ने बताया कि इस बार नए नियमों से यात्रियों को थोड़ी परेशानी हो सकती है । नए नियमों के मुताबिक जो चिकित्सक गलत फिटनेस जारी करेंगे, उन पर भी कार्रवाई की जाएगी और न ही सफर की इजाजत मिलेगी । निजामुद्दीन ने बताया कि हज के पाक सफर से किसी को वंचित नहीं रखा जाए। यदि वह थोड़ा बीमार हो तो उसे सफर की इजाजत मिले । हज हाउस की व्यवस्था सुचारू हो, इसके अलावा अधिशासी अधिकारी वहां हमेशा उपलब्ध रहें ।

अयोध्या में बाबरी मस्जिद के बदले जो मस्जिद बननी थी, उसका क्या हुआ?

जयपुर। अयोध्या से क़रीब 20 किलोमीटर दूर है धन्नीपुर गाँव। ये गाँव पिछले कुछ वर्षों से इसलिए चर्चा में है, क्योंकि सरकार ने यहाँ मस्जिद बनाने के लिए ज़मीन आवंटित की है। 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिरा दी गई थी। लंबी क़ानूनी प्रक्रिया के बाद नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने अपने फ़ैसले में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण को मंज़ूरी दी थी। तत्कालीन चीफ़ जस्टिस रंजन गोगोई के नेतृत्व वाली पाँच सदस्यीय संविधान पीठ ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में सर्वसम्मति से फ़ैसला सुनाया था। इसके तहत अयोध्या की 2.77 एकड़ की पूरी विवादित ज़मीन राम मंदिर निर्माण के लिए दे दी गई थी और मस्जिद बनाने के लिए मुस्लिम पक्ष को पाँच एकड़ वैकल्पिक ज़मीन दिए जाने का फ़ैसला सुनाया था। एक ओर जहाँ अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को एक साल पूरा हो गया। वहीं, धन्नीपुर में नई मस्जिद का निर्माण कार्य अभी तक शुरू भी नहीं हो पाया है। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर-अयोध्य-लखनऊ हाईवे पर रौनाही थाने के बगल के रास्ते पर ही धन्नीपुर गाँव की शुरुआत होती है। इस गाँव में मस्जिद की प्रस्तावित जगह हाईवे से 200 मीटर की दूरी पर है। लेकिन, वहाँ पहुँचने पर मैदान में कुछ टेंट वाले अपना शामियाना सुखाते दिख जाते हैं। किसान अपने मवेशी चराते है और मैदान के बीच एक दरगाह पर इक्का दुक्का ज़ायरीन आते जाते है। 2023 में अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी (ADA) ने धन्नीपुर मस्जिद परियोजना का मैप (layout) स्वीकृत किया था, यानी मस्जिद और जुड़ी अन्य संरचनाओं के लिए हरी झंडी मिल गई थी। लेकिन बाद में अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी ने वही मस्जिद योजना अस्वीकृत कर दी। मुख्य कारण था कि आवश्यक सरकारी विभागों से No objection certificate (NOC) नहीं मिले थे। खास तौर पर फायर डिपार्टमेंट ने आपत्ति जताई क्योंकि मस्जिद कॉम्प्लेक्स की पहुंच सड़क (Approach Road) बहुत संकरी 4 से 6 मीटर थी, जबकि नियमों के अनुसार कम से कम 12 मीटर होनी चाहिए थी।

जिहाद का विरोध क्यों ?

-मौलाना मदनी ने कहा था यदि अन्याय हुआ तो जिहाद होगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना महमूद मदनी का एक बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि अन्याय हुआ तो जिहाद होगा। इसी को लेकर देश में कुछ संगठनों ने मौलाना महमूद मदनी के जिहाद वाले बयान की तीव्र आलोचना शुरू करदी।

भारत देश में कुछ संगठनों ने "जिहाद" शब्द का अर्थ ही बदल के रख दिया है। ऐसे संगठन और व्यक्ति "जिहाद" का हिंसा और मारकाट से निकालते हैं और लोगों में डर, भय और अविश्वास पैदा करते हैं। यह ऐसा ही है कि स्वतंत्रता के समय देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों को शहीद, स्वतंतता सेनानी, देश-भक्त कहा जाता था और देशवासियों में इनको सम्मान की नजर से देखा और माना जाता था। जबकि अंग्रेज़ भारत देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों को आतंकवादी मानते थे और पकड़कर या तो गोली मार देते थे या फिर जेल में डाल देते थे।

इस्लामिक परम्परा में "जिहाद" का मूल अर्थ है

-अन्याय और बुराई के खिलाफ नैतिक संघर्ष

-समाज में सुधार लाने की कोशिश

- स्वयं पर काबू पाना

लेकिन आम मीडिया और पॉप कल्चर में इसे अक्सर सिर्फ हिंसक संघर्ष के रूप में पेश किया गया है। भारतीय मीडिया में जिहाद को लेकर अनावश्यक बहस की गई। देश में कोई नेता या विद्वान इस शब्द का धार्मिक/नैतिक अर्थ में उपयोग करता है, तो उसका अर्थ तुरंत नकारात्मक रूप में ले लिया जाता है। कई बार मीडिया में बयान का एक छोटा हिस्सा ही हाईलाईट किया जाता है, संदर्भ

नहीं दिखाया जाता है। संदर्भ हटने से शब्द का अर्थ भी बदल जाता है । जिससे भ्रम, गलतफहमी और भय बढ़ते हैं । ज्यादातर लोग कुछ सैकेंड का क्लिप देखकर पूरा संदेश समझने के बजाय पहले से बने नज़रिये के आधार पर राय बना लेते हैं। इससे अर्थ और भी विकृत हो जाता है।

मौलाना मदनी ने कहा कि जिहाद एक पवित्र भौर धार्मिक अवधारणा है। लेकिन आज इसे जानबूझकर हिंसा और आतंक से जोड़कर पेश, किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुरान में जिहाद के कई मायने हैं, सिर्फ लड़ाई नहीं। इनमें से एक है- अन्याय, अत्याचार, दमन के खिलाफ संघर्ष, समाज या इंसानियत की भलाई के लिए संघर्ष करना। मौलाना मदनी का मूल संदेश था कि 'जहां अन्याय होगा, वहां जिहाद होगा।" यानि अगर कहीं अन्याय, दमन, सामाजिक न्यायहीनता हो तो उसका विरोध करना, उस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही असली जिहाद है। अगर किसी व्यक्ति या समुदाय को देश में, समाज में और न्याय-व्यवस्था में अन्याय मिला हो तो उसका विरोध करना, आवाज उठाना, अधिकारों की रक्षा करना ही जिहाद है। लेकिन मदनी ने स्पष्ट किया कि यह जिहाद हिंसा या आतंक के नाम पर नहीं हो सकता। भारत जैसे लोकतांत्रिक मुल्क में कानून और संविधान के दायरे में रहकर ही संघर्ष होगा।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने दिया भाईचारे का पैगाम आपका तहदिल से इस्तकबाल

गंगापुर सिटी (रॉयल पत्रिका) । मुस्लिम राष्ट्रीय मंच सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आबिद शेख सोमवार को एक दिवसीय प्रवास गंगापुर सिटी के सोनम मैरिज होम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होते हुए देश में सद्भावना, एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संदेश दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आबिद शेख ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच सेवा का उद्देश्य है कि देश के सभी लोग जाति-पांति और भेदभाव को भुलाकर एक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जब सभी वर्ग आपस में मिलकर देशहित में कार्य करेंगे तभी राष्ट्र की एकता और अखंडता मजबूत बनेगी। उन्होंने समाज के हर व्यक्ति से अपील की कि आपसी मतभेदों को भुलाकर देश के सर्वांगीण विकास में योगदान दें। प्रवास के दौरान उन्होंने मंच के प्रदेश सह संयोजक अब्दुल सलाम को संगठन का विस्तार करने के निर्देश दिए, ताकि हर वर्ग का इंसान इसमें जुड़ सके और राष्ट्रीय एकता के अभियान को और मजबूती मिल सके। मौजूद लोगों से भी उन्होंने भाईचारे, सद्भाव और शांति का संदेश फैलाने की अपील की।

सिंगोद के निवासी लाल चंद करीरा को चौमूं तहसील यादव समाज की ओर से इकाई अध्यक्ष की नियुक्ति

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के के स्थित दौलशाहा बाबा की दरगाह के श्री कृष्ण छात्रावास यादव समाज के जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया के निर्देश अनुसार चौमूं तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर के द्वारा ग्राम पंचायत सिंगोद कलां के निवासी लालचंद करीरा को सिंगोद कलां पंचायत का इकाई अध्यक्ष की नियुक्ति की गई। अध्यक्ष बनते ही यादव समाज के बंधुओ ने लाल चंद करीरा को मसाफ़ा बधाकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में कर्नल अंकुश कुमार, उपसरपंच शंकर यादव, बलेखन गोविंदगढ़ इकाई अध्यक्ष प्रभाती लाल खातोदिया, कैलाश यादव, बीरबल फौजी, जगदीश यादव, रामेश्वर, शिवनारायण फौजी, जगदीश यादव, शिवनारायण फौजी, जगदीश सेसोटीया सहित यादव समाज के बंधुओ ने खुशी व्यक्ति की और धन्यवाद दिया।

ग़ज़ल

मेरी बातों में कुल दो - चार तेरी बातें हैं
उनको जीने का सरमाया बना रक्खा है
तू, नहीं जानता किन किन से मिला करता हूं
फिर भी साए को तेरे सब से छिपा रक्खा है
आफतें हैं और नागहानी बलाएं भी हैं
बस इसी वास्ते तुझ को जुदा रक्खा है
बस इक तू ही अच्छा लगा इस ज़माने में
दरो - दीवार पे तुझ को ही सजा रक्खा है
मोहतरम जान कर बख़्शा न करो दिल को
दिल की चाहत को भी दुश्वार बना रक्खा है
देखकर उसको धड़कन भी बढ़ी जाती है
की मोहब्बत तो क्यों दिल को बता रक्खा है
तुम अंधेरे में भी पहचान कैसे लेते हो
मैंने सीने में इक उल्फत का दीया रक्खा है
बातों बातों में बहुत बात किया करते हैं
ज़ख़्म कैसा भी हो सबको सिला रक्खा है
तू मेरी जां की तरह सबसे अनमोल तो है
इसलिए तुझको हथेली पर खुला रक्खा है

-फ़ज़लुर्रहमान

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

Scan Here

-संपादक

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण में सवाई माधोपुर शत प्रतिशत लक्ष्य की ओर

-731 वक्फ प्रॉपर्टीज़ को उम्मीद पोर्टल पर किया अपलोड

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले में वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण कार्य में सराहनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। सवाई माधोपुर जिला वक्फ कमेटी सदस्य अब्दुल हासिब एडवोकेट ने रॉयल पत्रिका संवाददाता शादाब अली से बातचीत करने पर बताया कि 7 दिसंबर तक जिले की कुल 731 वक्फ प्रॉपर्टीज़ को उम्मीद पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है, जिनमें से 645 संपत्तियाँ फाइनल सबमिट की जा चुकी हैं। तकनीकी कमियों, सर्वर डाउन रहने तथा अन्य कारणों से 74 वक्फ संपत्तियाँ दो या अधिक बार पोर्टल पर चढ़ गईं, जिनमें से कुछ को अप्रूव भी किया जा चुका है। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मदरसा तालीमुल इस्लाम, अंसारी मोहल्ला में एक विशेष सर्वर रूम बनाया गया, जिसमें मदरसा प्रबंधन और सदर द्वारा दिया गया सहयोग सराहनीय है। डिजिटलीकरण अभियान के दौरान उम्मीद पोर्टल की मॉनिटरिंग, प्रशिक्षण, तकनीकी जानकारी और टीम को समय-समय पर अपडेट देने का कार्य जिम्मेदारीपूर्वक किया गया। जिले के बुज़ुर्गों एवं नौजवानों ने विश्वास, सहयोग और मार्गदर्शन से एकजुट होकर टीम का उत्साह बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप पूरी टीम ने दिन-रात परिश्रम कर सवाई माधोपुर जिले की वक्फ संपत्तियों की अपलोडिंग को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में जिला वक्फ कमेटी सवाई माधोपुर के सदर असरार अहमद एडवोकेट, सचिव मौलाना शहाबुद्दीन, सदस्य अब्दुल हासिब एडवोकेट, शहर क़ाज़ी निसार उल्लाह, पूर्व सदर मोहम्मद उमर, डॉ. अकरम, डॉ. अखलाक, हाफिज़ शादाब, इरशाद, काशिफ खान, अफ़ाक़, फरमान, परवेज़, मुस्तुफा, सरफराज, रईस, ताहिर खान, कैफ, अब्दुल कलाम, शफीक भाई, आज़म (मलारना डूंगर), मुमताज़ एडवोकेट (बोली तहसील) और मुजाहिद (गंगापुर सिटी) का सराहनीय योगदान रहा। इसके साथ ही जिला अल्पसंख्यक अधिकारी मनोज कुमार मीना का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा। नए और पुराने गजट के अनुसार जिले में वक्फ संपत्तियों का कुल आंकड़ा 642 है, जिनमें सवाई माधोपुर तहसील में 303, बोली में 189, खंडार में 59, बामनवास में 27 और गंगापुर सिटी में 64 संपत्तियाँ शामिल हैं। इसके विपरीत उम्मीद पोर्टल पर अपलोड का आंकड़ा 731 तक पहुँचा, जिनमें से 645 फाइनल सबमिट की जा चुकी हैं। यह उपलब्धि जिले में वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, पारदर्शिता और तकनीकी सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और टीमवर्क तथा निष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

एसआरएफ मद से सड़क निर्माण के लिए 6.13 करोड़ की मिली स्वीकृति

-पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री का जताया आभार

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा क्षेत्र में SRF (State Road Fund) मद के तहत विधानसभा क्षेत्र की सड़कों के लिए वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने अगस्त 2025 में राज्य सरकार को अनुशंसा कर सड़को के स्वीकृति की माँग की थी जिस पर सरकार द्वारा 15.5 किमी लम्बाई की 6.13 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी का आभार जताया। क्षेत्र में सान्दरसर सड़क से डेहर की ढाणी (खन्नीपुरा), बलेखन से मुलगानी की ढाणी (अणतपुरा), डोला का बास से रेनवाल रोड सड़क (रिको) तथा शिव मंदिर से करणीपुरा (सींगोदकलां) तक अनुमानित दूरी: 5.5 किमी और अनुमानित लागत: 215.60 लाख रुपए, रिको कालाडेरा से मदन सीमावत का मकान, कानपुरा स्कूल से आचार्या का मोहल्ला, खेजरोली सड़क से नाई खटीक का मकान (उदयपुरिया) और झीड़ा सड़क से मंगल सैनी के मकान तक (विजयसिंहपुरा) तक अनुमानित दूरी: 4.0 किमी और अनुमानित लागत: 165.70 लाख रुपए, डेहरा-सामोद सड़क से बांसा सड़क तक (सामोद), दौलतपुरा सड़क से दम्बा का बास तक, आष्टीकलां लूंगतीवाले बालाजी से किशनमानपुरा सड़क और चीथवाड़ी सड़क से खिवणको की ढाणी तक (मोरिजा) तक अनुमानित दूरी: 6.0 किमी और अनुमानित लागत: 232.30 लाख रुपए की सड़के स्वीकृत की गई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र की 15.5 किमी लम्बाई की 12 नवीन सड़कों के लिए 6.13 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। उक्त सड़को के निर्माण से ग्रामीण अंचलों में आमजन को आवागमन में सुविधा मिलेगी और यातायात व्यवस्था सुगम होगी।

ग्रामवासियों ने सड़क स्वीकृति पर पूर्व विधायक का जताया आभार

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। सुभाष सर्किल स्थित निज आवास पर सामोद और अनंतपुरा चिमनपुरा ग्रामवासियों ने सड़क स्वीकृति पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। ग़ौरतलब है कि एसआरएफ मद से सामोद में डेहरा रोड से बांसा रोड तक और अनंतपुरा चिमनपुरा में बलेखण से मुलगानी ढाणी तक सड़क स्वीकृत की गई है। ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का माला, साफा और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। पूर्व विधायक शर्मा ने सभी ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच दिनेश चतुर्वेदी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कल्याण गुर्जर, एससी मोर्चा अध्यक्ष कालुराम सेठी, शक्ति प्रमुख सोहन यादव, गोरी शंकर कुमावत, फल सब्जी मंडी पूर्व अध्यक्ष दिनेश गौरा, श्रवण शर्मा, सरपंच बद्री प्रसाद, प्रभात, ग्यारसीलाल, कल्याण, गोपाल, सुवालाल मालचंद कुमावत, राजाराम यादव, कालूराम, गुमान सिंह, बंशी पूरणमल मुरली कालूराम मीना, मंगुराम किलगनिया, बाल चंद, राहुल शर्मा गोकुल सैनी, सुभाष सैनी, चाणक्य कुमावत, रामसिंह मीणा, बंशीधर जाट, बजरंग कुमावत, राहुल जोशी, लक्ष्मण लखेरा, लक्ष्मण जाट, बद्रीनारायण सैनी, दशरथ सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस ने अंतर्राज्यीय शातिर बैंक लुटेरे को गिरफ्तार किया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय शातिर बैंक डकैत को धर दबोचक बड़ी कामयाबी हासिल की है। अमित उर्फ टाकन नाम के इस 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस ने एयू बैंक छारसा से चोरी किए गए 2 लाख 19 हजार 5 सौ रुपये नकद भी बरामद किए हैं। आरोपी तीन राज्यों- राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में बैंक डकैतियों के 15 से ज्यादा मामलों में वांछित चल रहा था। गत 6 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे टाकन और उसके दो साथियों ने छारसा स्थित एयू बैंक का शटर तोड़कर सेंधमारी की थी। उन्होंने बाहरी सीसीटीवी कैमरे नष्ट कर दिए और बैंक की तिजोरी उखाड़कर ले गए, जिसमें 7.53 लाख रुपये नकद थे। इस पूरी वारदात में बैंक को 8.33 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। इस दौरान पुलिस की विशेष टीम में सुरेन्द्र सिंह - थानाधिकारी,सेरन्द्र सिंह - हेड कांस्टेबल सुरज्ञान - कांस्टेबल (विशेष भूमिका) रही। रमेश - कांस्टेबल ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार किया। अमित पेशेवर डकैत था जो दिन में ग्राहक बनकर बैंक का सर्वे करता और रात को साथियों के साथ सेंध लगाता था। चोरी का माल बरामद होने के बाद वह तुरंत दूसरे राज्य में फरार हो जाता था। इस मामले में पहले भी पुलिस ने अजय उर्फ छोटिया और सचिन उर्फ भोलिया नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था और उनसे इलेक्ट्रॉनिक कटर, हथौड़ा और चोरी की तिजोरी बरामद की थी। थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में एएसपी रणवीर सिंह और वृत्ताधिकारी मुकेश चौधरी का निर्देशन रहा। पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल सेरन्द्र सिंह और कांस्टेबल सुरज्ञान व रमेश की भूमिका अहम रही। इससे पहले भी पुलिस ने इसी मामले में दो अन्य आरोपियों - अजय उर्फ छोटिया और सचिन उर्फ भोलिया उर्फ भोला - को गिरफ्तार कर इलेक्ट्रॉनिक कटर मशीन, हैमर और चोरी की गई तिजोरी बरामद की थी।

विशेषज्ञों ने पैरालिसिस के आधुनिक इलाज पर किया गहन मंथन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर, देश में न्यूरो रिहैबिलिटेशन और पैरालिसिस (लकवा) के क्षेत्र में हो रहे नवीन शोध और आधुनिक उपचार पद्धतियों को लेकर जयपुर में (Mission Walk) के तत्वावधान में एक भव्य दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में देशभर से आए वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट, न्यूरो रिहैब विशेषज्ञ और मेडिकल प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सवाई माधोपुर के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गणपत लाल वर्मा ने भी विशेष रूप से सहभागिता की और न्यूरो रिहैबिलिटेशन से जुड़ी एडवांस टेक्निक्स की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग प्राप्त की। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने इस बात पर विस्तार से चर्चा की कि किस प्रकार क्लिनिकल रीजनिंग, एडवांस हैंडलिंग टेक्निक्स, टास्क-बेस्ड एक्सरसाइज और न्यूरोप्लास्टिसिटी आधारित थेरेपी के माध्यम से लकवा, स्ट्रोक और ब्रेन इंजरी के मरीजों की रिकवरी को तेज और प्रभावशाली बनाया जा सकता है। डॉ. गणपत लाल वर्मा ने बताया कि इस प्रकार की विशेष ट्रेनिंग का उद्देश्य छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को भी बड़े महानगरों जैसी उन्नत रिहैबिलिटेशन सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें उपचार के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य न केवल मरीजों की शारीरिक क्षमता में सुधार करना था, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना भी रहा। इस तरह की कार्यशालाएं भारत में रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही हैं।

दा बोहराज ग्लोबल स्कूल फादर्स क्रिकेट लीग और मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का सफल आयोजन

दौसा (रॉयल पत्रिका) । टीकाराम पालीवाल स्टेडियम में दा बोहराज ग्लोबल स्कूल द्वारा आयोजित फादर्स क्रिकेट लीग एवं मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के पहले दिन रोमांचक मुकाबलों का शानदार आगाज़ हुआ। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट महवा सीआई राजेंद्र, विजय शंकर बोहरा गुरु, प्रभु दयाल, राजेंद्र मिश्रा, अरविंद पालीवाल, रघुवीर द्वारा किया गया । लायंस क्लब महवा के अध्यक्ष आकाश लोकेश मिश्रा, विद्यालय के निदेशक विनय बोहरा, सह-निदेशक विकास बोहरा, वाईस प्रिंसिपल श्वेता राणा नेगी, पीटीआई सुरेंद्र भूपेन्द्र, अभिभावक एवं विद्यार्थियों की प्रभावी उपस्थिति रही। क्रिकेट मैच में फादर्स क्रिकेट लीग टीम महुआ की शानदार जीत हुई । पहले क्रिकेट मुकाबले में टीम बालाजी और टीम महुआ आमने-सामने रहीं। टीम बालाजी ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 89 रन का लक्ष्य खड़ा किया। जवाबी पारी में टीम महुआ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 8 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम महुआ के कप्तान शिवकुमार मीणा ने 7 चौकों की मदद से 37 रन की निर्णायक पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मदर्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप : उत्साह से भरे मुकाबले टग ऑफ वॉर, दो टीमों के बीच हुए इस मुकाबले में—टीम 1: यशोधरा, पूजा कुमारी जोगी, श्वेता सिंघल टीम, 2: ललिता भारद्वाज, संध्या कुमारी योगी, रचना देवी ने प्रतिभाग किया ! कठिन संघर्ष के बाद टीम 1 विजेता रही। ब्लाइंडफोल्ड एंड टच द मटकी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने संतुलन व कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। परिणाम इस प्रकार रहे—प्रथम स्थान: ललिता भारद्वाज, द्वितीय स्थान: श्वेता सिंघल एवं तृतीय स्थान पर रचना देवी रही। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विद्यालय परिवार, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पूरा स्टेडियम तालियों, उमंग और खेल भावना से गूंज उठा।

असामाजिक तत्वों के द्वारा कब्रों को क्षतिग्रस्त करने पर जनता में आक्रोश

-विधायक कागजी से सीसीटीवी कैमरे व चौकीदार रखने की मांग की

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। वक्फ सम्पति बचाओ बिंग इकाई धरती पुत्र राजस्थान के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शब्बीर खान ने कहा कि जयपुर के शास्त्री नगर कब्रिस्तान में कब्रो को तोड़फोड़ करके कब्रें क्षतिग्रस्त कर व मुर्दों से छेड़छाड़ की सनसनीखेज वारदात बड़ी ही शर्मनाक घटना है। इससे वहा के स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है वहा कि सुरक्षा इंतज़ामों पर सवाल उठ रहे है। डॉक्टर खान ने बताया कि 3 नवम्बर को राजधानी जयपुर के शास्त्री नगर कब्रिस्तान में देर रात अज्ञात युवकों द्वारा कब्रों में तोड़फोड़ और मुर्दों से छेड़छाड़ की गंभीर घटना सामने आई है। कब्रों को नुकसान पहुंचाए जाने के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर सवाल खड़े किए हैं। जानकारी के अनुसार, बीती 3 नवंबर 2025 को कब्रिस्तान में कई कब्रों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। यह पहली बार नहीं है जब शास्त्री नगर क्षेत्र में कब्रिस्तान के भीतर असामाजिक तत्वों की हरकतें सामने आई हों। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद आज तक न तो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए और न ही चौकीदार की नियुक्ति हुई। लोगों ने क्षेत्र के किशनपोल विधायक अमीन कागज़ी पर भी नाराज़गी जताई है। उनका कहना है कि विधायक लगातार दो बार कांग्रेस से चुने गए, लेकिन इतनी बड़ी घटना के बाद भी मौके पर नहीं पहुंचे। लोगों का आरोप है कि विधायक कोटे से कब्रिस्तान की सुरक्षा—जैसे चौकीदार, कैमरे और रख-रखाव—उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

स्थानीय लोगों ने कहा— "जब घटनाएं बार-बार हो रही हैं तो समाधान क्यों नहीं किया गया? हर बार कुछ दिन चर्चा होती है, फिर सब सामान्य हो जाता है और असामाजिक तत्व फिर सक्रिय हो जाते हैं।" डॉ. खान व समुदाय के लोगों ने जिला प्रशासन और पुलिस से तुरंत सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

उनकी प्रमुख मांगें निम्न हैं-

कब्रिस्तान में तत्काल पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, पूरे क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, स्थायी चौकीदार की नियुक्ति हो, भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, उल्लेखनीय है कि पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक डॉ. शिखा मील बराला की अगुवाई में महारैली तैयारियों को लेकर अहम बैठक

-नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विद्याधर सिंह चौधरी का होगा स्वागत

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं क्षेत्र के विधायक डॉ. शिखा मील बराला के नेतृत्व में एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा दिल्ली में 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली "वोट चोर—गद्दी छोड़" महारैली की तैयारियों तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एस एल आर) प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक कल आयोजित की जाएगी। यह बैठक दिनांक 07 दिसंबर 2025 (रविवार), प्रातः 10:30 बजे, बिंदायक गार्डन, रेलवे स्टेशन रोड, गोविन्दगढ़ में होगी। इस बैठक में विशेष रूप से फुलेरा विधायक विद्याधर सिंह चौधरी का जयपुर पश्चिम देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनने पर स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। साथ ही जयपुर देहात पश्चिम प्रभारी आर.सी. चौधरी की उपस्थिति बैठक को मार्गदर्शन प्रदान करेगी। चौमू विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के अधिकारों, न्याय और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है। आगामी महारैली में सभी कार्यकर्ताओं की मजबूती और एकजुटता पार्टी की ताकत को और बढ़ाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठनात्मक सक्रियता को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा प्रत्येक कार्यक्रम में समय पर उपस्थित रहकर अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। इस बैठक में चौमू विधानसभा क्षेत्र के पीसीसी सदस्य, जिला कांग्रेस कार्यकारिणी, ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, यूथ कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल तथा सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती, महारैली की तैयारियाँ और बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाना रहेगा।

झोटवाड़ा में 'जस्टिस उजाला' का नया ऑफिस शुरू

-उपासना बाजार में लॉ फर्म लॉन्च, वरिष्ठ अधिवक्ता और परिवार हुए शामिल
-जस्टिस उजाला की नई शुरुआत—पीड़ित को मिलेगा न्याय

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के झोटवाड़ा स्थित उपासना बाजार में रविवार को एक विशेष अवसर रहा। कानूनी सेवाओं और न्यायिक सहायता को मजबूत करने के उद्देश्य से "फॉर जस्टिस उजाला – द लॉ फर्म" के नए कार्यालय का विधिवत उद्घाटन वरिष्ठ अधिवक्ता, परिजनों और समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया। सुबह 11 बजे से ही कार्यक्रम स्थल पर चहल-पहल शुरू हो गई । स्वागत डेस्क पर फूलों की मालाएं, प्रवेश द्वार पर गुब्बारों की सजावट और कार्यालय के अंदर नई-बनावट के इंटीरियर ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। विधिवत,के साथ उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत हुई। डायरेक्टर वसीम छिपा की भावुक अभिव्यक्ति,इस दौरान फॉर जस्टिस उजाला दा लॉ फर्म के डायरेक्टर वसीम छिपा ने कहा- आज मेरे परिवार के सहयोग, आशीर्वाद और मेरे आत्मविश्वास ने इस फर्म को आकार दिया है। वर्षों से न्याय के क्षेत्र में काम करते हुए जो अनुभव मिला, अब वह हर जरूरतमंद के साथ बाँटने का समय है। हमारा यह कार्यालय उन पीड़ित लोगों के लिए रहेगा, जिन्हें न्याय पाने तक दस्तावेजी, कानूनी और सलाह से मजबूती मिल सके।"

उन्होंने आगे कहा- अब न्याय के लिए झोटवाड़ा कार्यालय में संपर्क करें, हमारी फर्म हर कमजोर,परेशान या कानूनी उलझनों में फंसे व्यक्ति के लिए समर्पित रहेगी।" परिवार और वरिष्ठों की मौजूदगी ने बढ़ाई शोभा- उद्घाटन में वसीम छिपा के माता-पिता, भाई-बहन एवं करीबी रिश्तेदार शामिल हुए। वरिष्ठ अधिवक्ता, कानूनी सलाहकार और अन्य पेशेवर साथी भी उपस्थित रहे। सभी ने वसीम को शुभकामनाएं दीं।वरिष्ठों द्वारा शपथनुमा शब्दों के साथ वसीम छिपा को आशीर्वाद दिया गया—न्याय के लिए संघर्ष हमेशा कठिन होता है, लेकिन वकालत में दृढ़ निष्ठा और ईमानदारी ही सफलता दिलाती है। नई शुरुआत का यह दिन समाज हित में बड़ा कदम है।" "यह नया कार्यालय आज उन आशाओं का केंद्र बनेगा, जो किसी न किसी कानूनी न्याय की प्रतीक्षा में हैं।

सभी नागरिक अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति सजग रहें- डॉ. बी.एल. जाटावत

-एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर। एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संविधान दिवस पर एपीजे अब्दुल महासंघ, राजस्थान एवं एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष हारुन खान ने की। विशिष्ट ट्रस्टी प्रोफेसर फैयाज मलिक ने किया मुख्य अतिथि डॉक्टर डॉ. बी.एल. जाटावत ने संविधान के बारे में बताते हुए सभी को संविधान द्वारा दी गई शक्तियां एवं कर्तव्य के बारे में बताते हुए सभी को इस पर अमल करने की आवश्यकता बताई । संविधान दिवस पर डॉक्टर सउद अख्तर पूर्व सचिव राजस्थान मदरसा बोर्ड ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉक्टर राजीव चौधरी, सत्येंद्र बसवाल RACS, जोईन्ट डायरेक्टर फाइनेंस एनएचएम, डॉ. ओमप्रकाश बसवाल, उपनिदेशक यूनानी चिकित्सा विभाग, अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रवक्ता वकी अहमद, पवन कलाम हॉस्टल के प्रांगण में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के जनरल सैक्रेटरी हाजी सईद अहमद ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. बी.एल. जाटावत, सेनि. आईएएस थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी अतिथि मुकेश मीणा प्रधान टोडाभीम एवं राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट समसुलर फाइन थे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के जनरल सैक्रेटरी हाजी सईद अहमद ने किया। मुख्य अतिथि एवं सभी अतिथियों का सम्मान ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष डॉक्टर नजमुद्दीन एवं ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ जिला जयपुर के जिला अध्यक्ष मोहम्मद उमर एवं कुमार सैनी, रेलवे, एडवोकेट सुरेश यादव, रेलवे को-ऑपरेटिव पूर्व पबंधक, सत्यनारायण यादव, परमेश्वर चंद्र सेन, IRPS, डॉक्टर रुस्तम खान, इंचार्ज एसएमएस ओपीडी होम्योपैथी चिकित्सा विभाग, एडवोकेट सरदार खान नर्सिंग ऑफिसर, मुकेश बुनकर, सलीम मोहम्मद, सेनि. सीटीआई रेलवे, अजहरूल इस्लाम अख्तर सहित अनेक समाज के अनेक बुद्धिजीवी उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. जाटावत ने एपीजे अब्दुल कलाम एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी द्वारा SIR को लेकर जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी द्वारा SIR को लेकर सनिवार 6 दिसंबर को जागरूकता प्रोग्राम आयोजित किया गया । नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी की अध्यक्ष निशात हुसैन ने बताया कि जिन-जिन लोगों का नाम मतदाता सूचि में किसी भी कारणवश आने से रह गया है, उन सबको समझाकर फॉर्म नम्बर छह (6) को भरवाना है, ताकि उसका नाम मतदाता सूचि में आ सके । इस काम को करवाने के लिए नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफ़ेयर सोसाइटी कि एक टीम लोगों का मार्ग-दर्शन करेगी, एरिया के बीएलओ के साथ मिलकर उक्त फॉर्म भरवाने में मदद करेगी।

सेंट सोल्जर कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के भगवान दास मार्ग, सी-स्कीम में स्थित सेंट सोल्जर पीजी कॉलेज फॉर गर्ल्स में मंगलवार 2 दिसंबर 2025 को एक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह शिविर एचडीएफसी बैंक और नवजीवन ब्लड बैंक के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और इसके जीवन रक्षक महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। शिविर में रक्तदान करने वालों को पुष्प व शॉल उड़ाकर उनका स्वागत भी किया गया।

बिना अनुमति बनी 5 मंजिला इमारत पर चला JDA का बुलडोज़र

-रिहायशी प्लॉट पर होटल निर्माण,लापरवाही ने बढ़ाया खतरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के मालवीय नगर इलाके में स्थित गिरधर मार्ग पर जेडीए का चला पीला पंजा,देखते ही देखते 5 मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। जेडीए ने निर्माणाधीन होटल धराशायी कर दी। इसे गिराने से पहले बिल्डिंग की संरचना को कमजोर करने के लिए जेसीबी मशीनों से ड्रिलिंग की गई थी। होटल के मालिक जेडीए की कार्रवाई का विरोध करने पहुंचे। इस दौरान उनकी पुलिस अधिकारियों से बहस हो गई। आरोप है कि उन्होंने बताया- पॉलिटिक्स पावर का इस्तेमाल किया गया है। एक भी लीगल टीम नहीं आई। हमारे आर्किटेक्ट से बात नहीं की। हमने नगर निगम से परमिशन ली है। इसके लिए 1 लाख 25 हजार रुपए हमने निगम में जमा कराया था। अब बिल्डिंग को अवैध बता कर तोड़ा गया है। नियमों के विपरीत बनाया गया था होटल,जेडीए के जोन-1 के तहसीलदार शिवांग शर्मा ने बताया- रेजिडेंशियल क्षेत्र में बिना अनुमति कॉमर्शियल एक्टिविटी के लिए नियम विपरीत होटल बनाया गया। इसमें बेसमेंट भी है। JDA के डिप्टी इन्फोर्समेंट ऑफिसर इस्लाम खान ने कहा- इस निर्माण को लेकर प्राधिकरण से किसी तरह की कोई अनुमति नहीं ली गई। मालवीय नगर के सेक्टर-9 (अमित भारद्वाज पेट्रोल पंप के सामने) में 90 गज एरिया में होटल का निर्माण करीब-करीब पूरा हो गया था। शनिवार को बेसमेंट के पास खुदाई के दौरान होटल में दरारें पड़ गई थीं। साथ ही, होटल एक तरफ झुक गया है। इमारत को दो क्रेन लगाकर सपोर्ट दिया गया था।

मुस्लिम फोरम ने कहा- बाबरी आज भी फैसले का इंतजार कर रही

-आने वाली नस्लों को नाइंसाफी की याद दिलाने के लिए, यह कार्यक्रम हर वर्ष होगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में—अयोध्या विवाद के 33 साल बाद भी बाबरी मस्जिद को इंसाफ नहीं मिला... इसी मांग के साथ रविवार 6 दिसम्बर को एमडी रोड स्थित मुस्लिम मुसाफिर खाने में राजस्थान मुस्लिम फोरम की ओर से सामूहिक दुआ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में समुदाय के लोग यहां पहुंचे और बाबरी मस्जिद के लिए न्याय की दुआ की। कार्यक्रम में जमाते इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाजीमुद्दीन ने कहा कि मंदिर को खंडित कर मस्जिद नहीं बनाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इंसाफ नहीं था, और आज भी बाबरी मस्जिद न्याय की प्रतीक्षा में है। उन्होंने कहा कि भारत का मुस्लिम अमनपसंद है, लेकिन आज उसे लगातार सताया जा रहा है। मुस्लिम फोरम की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में शौकत कुरैशी, इलियास कुरैशी, वकार अहमद, डॉ. शाहबुद्दीन, हाफिज मंजूर अली और मुजाहिद नकवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में बाबरी मस्जिद की बहाली और न्याय की मांग को एक बार फिर मुखरता से उठाया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं को कहां की आने वाली नस्लों को नाइंसाफी की याद दिलाने के लिए यह कार्यक्रम हर वर्ष आयोजित होता रहेगा।

वाहिद नकवी अध्यक्ष, मोहम्मद असलम खान महासचिव निर्वाचित

-दी बार एसोसियेशन वक्फ जयपुर के चुनाव सम्पन्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दी बार एसोसियेशन वक्फ जयपुर के चुनाव मंगलवार दिनांक 2 दिसंबर को सम्पन्न हुए। इस चुनाव में अब्दुल वाहिद नकवी अध्यक्ष, मोहम्मद असलम खान महासचिव निर्विरोध चुने गए तथा इसी दिन निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की कमेटी भी बनाई गई। यह चुनाव सुनील माथुर एडवोकेट, अंसार अहमद एडवोकेट एवं अनवर खान एडवोकेट की निगरानी में सम्पन्न हुए।

चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों के ठिकानों एवं निवास स्थानों पर पुलिस ने दी दबिश

-327 अपराधियों को किया गया गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस कमिश्नर जयपुर सचिन मित्तल के आदेशानुसार एवं विशेष पुलिस आयुक्त राहुल प्रकाश के निर्देशन में उक्त अभियान में पुलिस आयुक्तालय जयपुर के सभी पुलिस उपायुक्त के पर्यवेक्षण में ऑपरेशन व्रज प्रहार के तहत अपराधियों के विरुद्ध चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों की धरपकड़ एवं गिरफ्तारी के लिए 06 दिसम्बर 2025 को एरिया डॉमिनेशन के तहत कार्यवाही की गई। एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही में आयुक्तालय के सभी डीसीपी को चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों की सूचिया तैयार कर उनकी धरपकड़ के लिए विभिन्न टीमें गठित करने के निर्देश दिये गये। सभी पुलिस उपायुक्त ने चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों की सूची तथा Raid teams एवं Raid routs तैयार कर दिनांक 06 दिसम्बर 2025 को धरपकड़ एवं गिरफ्तारी की कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही अति गोपनीय और सुव्यवस्थित तरीके से की गयी जिसमें अपराधी एक दूसरे को सतर्क न कर सके। चैन, पर्स एवं मोबाईल स्नैचिंग के चालानशुदा अपराधियों का चिन्हिकरण कर इनकें ठिकानों और इनकी गतिविधियों की जानकारी एवं निगरानी के लिये पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध श्रीमन लाल मीणा एवं उनकी टीमों द्वारा विगत कुछ समय से तैयारी की गयी थी। अपराधियों की आसूचना संकलन करने के पश्चात संजीव नैन, पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व), हनुमान मीणा, पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम), करण शर्मा, पुलिस उपायुक्त, जयपुर (उत्तर) व राजर्षि राज, पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) के नेतृत्व में अपराधियों के ठिकानों पर दबिश, गिरफ्तारी व कार्यवाही के निर्देश दिये गये जिस पर चारों जिलों के पुलिस उपायुक्त द्वारा जयपुर शहर के समस्त वृताधिकारी व थानाधिकारियों के सुपरविजन में टीमें गठित हुयी। इस कार्यवाही में सीएसटी/डीएसटी एवं थाना पुलिस की टीमें गठित की गयी और संयुक्त रूप से गठित टीमों ने पुरे जयपुर शहर में 1074 स्थानों पर एक साथ दबिश देकर अपराधियों को घेरा। आपराधिक ठिकानों की गहन तलाशी की गयी। पुलिस टीमों के द्वारा की गयी कार्यवाही के फलस्वरूप पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे कुल 327 अपराधियों को गिरफ्तार किया जिसमें आर्म्स एक्ट में 13, आबकारी अधिनियम में 21, एनडीपीएस एक्ट में 13, अन्य एक्ट में 03, पूर्व के प्रकरणों में 51, धारा 129 बीएनएसएस में 20, धारा 170 बीएनएसएस में 222, धारा 126/135 बीएनएसएस में 05, धारा 141 बीएनएस 01, स्थाई / गिरफ्तारी वारंटों में 21 अपराधियों को गिरफ्तार किया एवं 43 संदिग्ध वाहन जब्त किये गये।

जामिया तैयब एजुकेशन सोसाइटी द्वारा लगाए गए पक्षियों के लिए सर्दी के घौंसले

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर स्थित जामिया तैयबा एजुकेशन सोसाइटी द्वारा शुक्रवार 05 दिसंबर को जयपुर शहर के कई धार्मिक स्थानों पर सर्दी से बचाव के लिए पक्षियों के लिए घौंसले लगाए गए जैसे-जैसे सर्दी का मौसम बदल रहा है और कई पक्षी प्रजातियां घौंसले बनाने (Nesting.season)के लिए तैयार हो रहे हैं। यह समय है कि हम सब मिलकर इन नन्हे जीवों के घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें । पक्षियों के घौंसले केवल टहनियां और पत्तियों के ढेर नहीं, बल्कि उनके अंडे सेहने, बच्चे को पालने और उन्हें शिकारी से बचाने का एक सुरक्षित ठिकाना होते हैं।

जामिया तैयब एजुकेशन सोसाइटी की सभी से गुज़ारिश है कि अपने-अपने घरों की बालकनी या बगीचों में पक्षियों के लिए सुरक्षित स्थान जैसे छोटे कृत्रिम घौंसले या पानी के बर्तन प्रदान करें । पक्षियों के लिए घौंसले लगाते समय इस संस्था जुड़े कारी मोहम्मद इसहाक, डॉ. शाहज़ेब, निसार भाई, फरमान, अख्तर, साकिब, मेहरूननिशा, यासमीन, शर्मिला आदि मौजूद रहे।

थाना संजय सर्किल के अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही

-दो शातिर मुल्जिमान मकसूद खान व शेर सिंह को किया गिरफ्तार

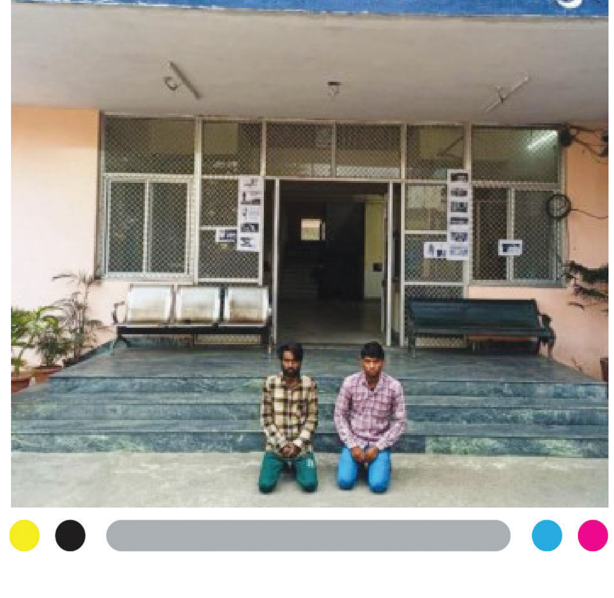

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा IPS ने बताया कि पुलिस थाना संजय सर्किल जयपुर उत्तर पर परिवादी धीरज कुमार द्वारा दिनांक 21.11.25 को परिवादी के घर से मोबाइल और 10000 रूपये चोरी हो जाने के संबंध में पेश रिपोर्ट पर एफ.आई.आर. नम्बर 237/25 धारा 305 (A) BNS दर्ज कर माल मुल्जिमानकी पतारसी हेतु मन उमेश बेनीवाल पु०नि० थानाधिकारी संजय सर्किल के नेतृत्व में टीमें गठित की गई। गठित टीमों द्वारा प्रकरण में कार्यवाही करते हुये आसपास के सीसीटीवी फूटेज के विश्लेषण व तकनीकी आधार पर मोबाइल व रूपये चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले मुलजिम मकसूद खान पुत्र मुस्ताक खान उम्र 23 साल झोटवाडा जयपुर को चिन्हित कर थाना संजय सर्किल के प्रकरण संख्या 237/25 धारा 305 (A) BNS में दिनांक 02.12.25 को गिरफ्तार किया गया था जिससे अनुसंधान कर चोरी के मोबाइल खरीदने वाले मुलजिम शेर सिंह पुत्र करण सिंह जाटव उम्र 23 साल निवासी गाँव बनकी पुलिस थाना नई मण्डी, हिण्डोन सिटी 05.12.25 को गिरफतार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफतारशुदा मुल्जिमान के कब्जे से चोरी के कुल दो मोबाइल व रूपये बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार शुदा मुल्जिमान से चोरी / छीने गये मोबाइलों की अन्य वारदातों के संबंध में अनुसंधान जारी है।

ZEBA ELECTRONICS & ELECTRICALS
अब हर सामान अपने घर ले जायें आसान मासिक किश्तों में
जेबा इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड इलेक्ट्रिकल्स
हमारे यहां पर सभी क्वालिटी के पंखे, कूलर, फ्रिज,वांशिग मशीन, एल.ई.डी. टी.वी.,एवं अन्य सभी प्रकार के इलेक्ट्रोनिक्स आईटम उचित मूल्य एवं आसान मासिक किश्तों पर मिलते है एवं होम थियेटर , साउण्ड, स्पीकर , टॉवर स्पीकर आदि भी आसान मासिक किश्तों पर मिलते है।

अपने सपनों का घर बनायें, हर सामान आसान किश्तों मे पायें।
सभी सामान आसान किश्तों मे उपलब्ध
किश्तों पर सामान लेने के लिए सम्पर्क करें- यामीन खांन
7976911630
नोटः हमारे यहां पर CCTV कैमरे भी लगाये जाते है।
:: पता ::
दुकान नं. २, अक्सा मस्जिद के पास,खो नागोरियान,
जगतपुरा रोड, जयपुर, राजस्थान
Azhan_Graphic_Arts # 9929623500, 7877386846

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

उम्मीद पोर्टल पर सभी वक़्फ़ संपत्तियां रजिस्टर्ड नहीं हो पाई !

वक़्फ़ बोर्ड में पहले से रजिस्टर्ड वक़्फ़ संपत्तियों को 6 दिसंबर 2025 तक केंद्र सरकार ने उम्मीद पोर्टल पर रजिस्टर्ड करवाना जरूरी था । लेकिन 6 दिसंबर अंतिम तारीख तक बड़ी संख्या में वक़्फ़ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन उम्मीद पोर्टल पर नहीं हो पाया है । केंद्र सरकार और माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 6 महीने पहले ही देश की सभी वक़्फ़ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर रजिस्टर्ड करना अनिवार्य कर दिया था। लेकिन मुस्लिम समुदाय में हर काम देरी से करने की आदत के चलते उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ़ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन अंतिम तारीख तक पूरा नहीं हो पाया । पहले तो मुस्लिम समुदाय के राजनीतिक लीडर्स और मजहबी लीडर्स ने ऐसा माहौल बनाया है कि वक़्फ़ अमेंडमेंट बिल 2025 रद्द करवा दिया जाएगा । लेकिन ऐसा हुआ नहीं। वक़्फ़ संपत्तियों के मुत्तवल्लि एक लंबे समय तक हाथ पर हाथ रखे बैठे रहे कि वक़्फ़ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं पड़ेगी । लेकिन जब लगा कि किसी भी स्थिति में रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ेगा तो फिर दिन रात करके उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए टूट पड़े। एक साथ रजिस्ट्रेशन की संख्या बढ़ने के कारण उम्मीद पोर्टल पर भी ट्रैफिक बढ़ गया और वक़्फ़ कमेटियों के जिम्मेदारों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी । कुछ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर समय बढ़ाने की मांग की तो किसी ने मोदी सरकार से कुछ समय देने की प्रार्थना की । लेकिन वक़्फ़ कमेटियों को कहीं से भी कोई राहत नहीं मिली । मरते क्या न करते की कहावत को चरितार्थ करते हुए आखिरी 5-10 दिन में उम्मीद पोर्टल पर वक़्फ़ संपत्तियां बड़ी संख्या में रजिस्टर्ड करवाई गईं। यदि वक़्फ़ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत 6 महीने पहले ही कर दी जाती तो जो वक़्फ़ संपत्तियां बिना रजिस्ट्रेशन के रह गई हैं, वह नहीं रहतीं। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजूजू ने अपने एक बयान में कहा कि अगले तीन महीने तक वक़्फ़ संपत्तियों के मुत्तवल्लियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो संपत्तियां तकनीकी कर्मियों के कारण उम्मीद पोर्टल पर रजिस्टर्ड नहीं हो पाई हैं उनके लिए वक़्फ़ ट्रिब्यूनल कोर्ट से समय लिया जा सकता है । वक़्फ़ ट्रिब्यूनल कोर्ट के पास 6 महीने तक समय बढ़ाने का अधिकार है । मुस्लिम समुदाय एवं वक़्फ़ कमेटियों को अब स्पष्ट संदेश मिल गया है कि सभी वक़्फ़ संपत्तियों का उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है । यदि कुछ संपत्तियां बिना रजिस्ट्रेशन के रह गई हैं तो वक़्फ़ बोर्ड कमेटियाँ वक़्फ़ ट्रिब्यूनल कोर्ट जाकर समय ले सकते हैं और बची हुई संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं । लेकिन मुस्लिम समुदाय को सबक लेने की जरूरत है कि सरकार के निर्देशों का शीघ्र पालन करने की जरूरत समझें । जब समय निकल जाता है या काम रह जाता है तब ही हमें कुछ करने की रुचि बढ़ती है, जो ठीक नहीं कहीं जा सकती है।

समता, न्याय और मानवता के अग्रदूत-डॉ. भीमराव अंबेडकर

6 दिसंबर का दिन भारतीय इतिहास में केवल एक तिथि भर नहीं है, बल्कि यह उस महामानव की स्मृति का दिन है जिसने सामाजिक असमानता, जाति व्यवस्था और मानव शोषण के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया। यह दिन भारत के संविधान निर्माता, आधुनिक भारत के शिल्पकार, समाज सुधारक, मानवतावादी और क्रांतिकारी चिंतक डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जीवन केवल एक व्यक्ति की जीवनी नहीं, बल्कि करोड़ों दलित-वंचित-पीड़ित समाज के संघर्ष, आशा और अधिकारों की कहानी है। 14 अप्रैल 1891 को महू (मध्यप्रदेश) में जन्मे डॉ. अंबेडकर का बचपन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में बीता। समाज की उस क्रूर व्यवस्था ने उन्हें स्पर्श तक अछूत समझा, पानी के घड़े तक से हाथ न लगाने दिया। परंतु अंबेडकर का व्यक्तित्व उन अपमानों से टूटने वाला नहीं था, बल्कि उन अनुभवों ने उनके जीवन को दिशा दी-कि भारत का वास्तविक निर्माण शिक्षा, समान अधिकार और सामाजिक न्याय के बिना संभव नहीं। डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का सबसे शक्तिशाली हथियार माना। उनकी उपलब्धियां स्वयं में प्रेरणादायक हैं-कोलंबिया विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से कानून और अर्थशास्त्र की डिग्रियां, तथा अनेक विधाओं में शोध, लेखन और चिंतन। वे कहते थे-"शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।" यह संदेश आज भी हर शोषित, वंचित और न्याय के इच्छुक नागरिक के लिए मार्गदर्शन है। स्वतंत्र भारत के संविधान की रचना में डॉ. अंबेडकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने न केवल संविधान लिखा, बल्कि उसमें स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और न्याय जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों को भारतीय समाज की आत्मा बना दिया। उन्होंने भारतीय संविधान को केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि मानव अधिकारों का घोषणा पत्र बनाया। अनुच्छेद 17 द्वारा अस्पृश्यता का उन्मूलन, शिक्षा और अवसरों में समानता, दलित-वंचित समाज के लिए आरक्षण और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता-यह सब अंबेडकर की दूरदृष्टि और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनके शब्द आज भी प्रेरित करते हैं- "कानून और व्यवस्था उस समाज के लिए अनिवार्य है, जो प्रगति की राह पर अग्रसर है।" भारतीय समाज अपने प्रारंभिक काल से ही जातिगत व्यवस्था और भेदभाव की चुनौतियों से जूझता आ रहा है। अंबेडकर ने अपने संघर्ष के केंद्र में सामाजिक समानता को रखा और कहा कि कोई राष्ट्र तभी सशक्त बन सकता है जब उसके सभी नागरिक बराबरी के अवसर प्राप्त करें। आज भी समाज में जाति आधारित भेदभाव, लिंग असमानता, आर्थिक विषमता, और सामाजिक बहिष्कार जैसे मुद्दे मौजूद हैं। इनमें सुधार लाने के लिए अंबेडकर के विचार स्पष्ट मार्गदर्शन देते हैं। उनका यह संदेश-'मैं किसी समाज की प्रगति को उस समाज में महिलाओं द्वारा प्राप्त स्थिति से मापता हूं' आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लिंग आधारित हिंसा, असमान वेतन, और महिलाओं के सीमित अधिकारों की चुनौतियां बताते हैं कि अंबेडकर की समानता की अवधारणा को लागू करने की आवश्यकता आज भी उतनी ही तीव्र है। अंबेडकर का मानना था कि कोई समाज तभी महान बन सकता है जब उसमें सभी व्यक्तियों को सम्मान और समान अवसर मिले। उन्होंने जातिवाद, भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अन्याय के खिलाफ एक विचार आंदोलन खड़ा किया। उनका यह कथन आज भी सामाजिक चिंतन का आधार है- "मनुष्य की पहचान उसके जन्म से नहीं, उसके कर्म और सोच से होती है।" उनका मानवतावादी दृष्टिकोण विश्वस्तरीय था। वे केवल भारत के दलितों की आवाज नहीं थे, बल्कि वैश्विक मानवाधिकार आंदोलन के प्रवर्तक थे। जीवन के अंतिम चरण में उन्होंने यह महसूस किया कि जातिगत अन्याय केवल सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और धार्मिक सोच का परिणाम है। इसलिए 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार किया। उनका बौद्ध धर्म स्वीकारना केवल आध्यात्मिक कदम नहीं, बल्कि समानता और स्वाभिमान की क्रांति था। आज भारत तकनीकी रूप से समृद्ध हो रहा है, परंतु सामाजिक असमानता, जातिगत हिंसा, अन्याय और भेदभाव के रूप अब भी मौजूद हैं। ऐसे समय में डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक आवश्यक हो जाते हैं। उनकी सोच हमें सिखाती है कि-समाज का विकास तभी संभव है जब सभी को बराबर अधिकार मिलें। संविधान का सम्मान ही लोकतंत्र की शक्ति है। शिक्षा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाज जागृति का आधार हैं। डॉ. अंबेडकर केवल इतिहास के महान नेता नहीं थे, वे एक ऐसी विचारधारा हैं जो समय, समाज और पीढ़ियों को दिशा देती रहेगी। उनका जीवन संदेश देता है कि संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता। वे आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के प्रमुख शिल्पकार थे। उन्होंने संविधान के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को संस्थागत स्वरूप प्रदान किया। उनकी निगरानी में लिखा गया संविधान केवल कानूनों का संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का दस्तावेज है। आज भी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और शासन की जवाबदेही जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस होती है। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के इतिहास में उस प्रकाश-स्तंभ की तरह हैं, जिन्होंने अपने विचारों, संघर्षों और दूरदर्शी नेतृत्व से समाज को नई दिशा दी। वे केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, शिक्षक, विधिवेत्ता और सामाजिक क्रांतियों के जनक भी थे। उनके संदेश शिक्षा, समानता, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के इर्द-गिर्द घूमते हैं। आज, जब समाज तेजी से बदल रहा है, तब अंबेडकर के विचार पहले से भी अधिक प्रासंगिक दिखाई देते हैं। डॉ. अंबेडकर केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि समय से आगे सोचने वाले महान दूरदर्शी थे। उनके संदेश सामाजिक न्याय, शिक्षा, समानता, लोकतंत्र और मानवाधिकारों पर आधारित हैं- और ये सभी मूल्य आज के भारत और विश्व में पहले से कहीं अधिक आवश्यक हैं। आधुनिक समाज में बदलती चुनौतियों, बढ़ती असमानताओं और लोकतांत्रिक संरचना के सामने खड़ी मुश्किलों के बीच अंबेडकर के विचार हमें सही दिशा दिखाते हैं। आज अंबेडकर की प्रासंगिकता केवल इसलिए नहीं है कि वे संविधान निर्माता थे, बल्कि इसलिए भी है कि उन्होंने मानवता को एक ऐसा रास्ता दिखाया, जिस पर चलकर हम एक बेहतर, न्यायपूर्ण और समानता पर आधारित समाज का निर्माण कर सकते हैं। उनकी विरासत हमें लगातार प्रेरित करती है कि हम न सिर्फ अपने लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए संघर्ष करें। 6 दिसंबर 1956 को डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इस संसार को विदा कहा और यह तिथि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन उनके महापरिनिर्वाण के साथ-साथ उनके विचारों, आदर्शों और योगदानों को याद करने का अवसर है। 6 दिसंबर का यह दिन हमें याद दिलाता है कि अंबेडकर भले ही शारीरिक रूप से इस दुनिया से विदा हो चुके हों, परंतु उनके विचार, सिद्धांत और मानवता के लिए उनका संघर्ष अमर है। आज, जब हम उन्हें श्रद्धा से नमन करते हैं, तो केवल पुष्प अर्पित करना ही पर्याप्त नहीं- बल्कि उनके सपनों के भारत को साकार करना हमारा सच्चा कर्तव्य है।

-बाबूलाल नागा

गुलाम वंश का संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक था

यौमे वफात (1 दिसम्बर, 1210)

दिल्ली सल्तनत का पहला शासक कुतुबुद्दीन ऐबक, जिसने गुलाम वंश की नींव रखी थी, ऐबक का अर्थ होता है- चंद्रमुखी । 1206 ई० में कुतुबुद्दीन ऐबक के द्वारा गुलाम वंश की स्थापना हुई। कुतुबुद्दीन ऐबक का शासन काल सिर्फ चार वर्ष तक चला, कुतुबुद्दीन ऐबक मुहम्मद गौरी का गुलाम था।

कुतुबुद्दीन ऐबक ने मुहम्मद गौरी की मृत्यु के बाद स्वयं को लाहौर में एक स्वत्रंत शासक घोषित किया तथा उसने अपनी राजधानी "लाहौर" को बनाया, कुतुबुद्दीन ऐबक का राज्याभिषेक 24 जून 1206 ई० में लाहौर में हुआ था। कुतुबुद्दीन ऐबक ने बाद में दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया तथा दिल्ली सल्तनत की स्थापना की। कुतुबुद्दीन ऐबक ने सिंहासनरुढ़ होते समय 'मलिक' एवं 'सिपहसालार' की उपाधियाँ धारण कीं, कुतुबुद्दीन ऐबक को कुरान खाँ कहा जाता था, क्योंकि वह कुरान का सुरीला पाठ करता था, ऐबक को अपनी उदारता व दानी प्रवृत्ति के कारण 'लाखबख्श' (लाखों का दानी) भी कहा गया। फरिश्ता के अनुसार कुतुबुद्दीन ऐबक के समय किसी भी दानशील व्यक्ति को ऐबक की उपाधि दी जाती थी।

कुतुबुद्दीन ने दिल्ली में 'कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद' तथा अजमेर में 'अढ़ाई दिन का झौपड़ा' निर्मित करवाया। ऐबक ने दिल्ली में स्थित चौहान कालीन 'किला-ए-रायपिथौर' नामक दुर्ग के निकट एक शहर का निर्माण कराया, जिसे दिल्ली के सात शहरों में पहला शहर कहा जाता है।

कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली के प्रसिध्द चिश्ती संत "शेख कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी" की याद में कुतुबमीनार का निर्माण कराया, ऐबक के दरबार में हसन निजामी और फखरुद्दीन आदि विद्वानों का निवास था । हसन निजामी की रचना "ताज-उल-मासिर" है । कुतुबुद्दीन ने इल्तुतमिश को 1197 ई० के अन्हिलवाड के युध्द के दौरान खरीदा और 1210 ई० में लाहौर में चौगाना (पोलो) खेलते समय घोड़े से गिरने के कारण कुतुबुद्दीन की मृत्यु हो गयी । ऐबक को लाहौर में दफनाया गया तथा कुतुबुद्दीन ऐबक का मकबरा भी लाहौर में स्थित है । कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के बाद उसके पुत्र 'आरामशाह' को शासक घोषित किया गया । आराम शाह एक कमज़ोर शासक था। यह स्पष्ट नहीं है कि वह ऐबक का पुत्र था या नहीं। उसके विरुद्ध कुछ सरदारों ने षड़यंत्र रचकर शम्सुद्दीन इल्तुतमिश को शासक बनने के लिए आमंत्रित किया था।

इब्ने अरबी - वहदत अल-वुजूद

-फ़ज़लुर्रहमान

ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान में भी मुस्लिम जगत की रूहानी खोज और जानकारी को भुलाया नहीं जा सकता, जदीद साइंस आज भी इस संबंध में तहकीकात कर रही है। इब्ने अरबी जो 12वीं सदी के महान वैज्ञानिकों, विचारकों, सूफीवादियों में शामिल थे, उनके संबंध में इस लिहाज़ से जानना ज़रूरी है कि कुरान मजीद की तालीमात में सूफीवाद और तसव्वुफ के क्या राज़ हैं ? इस पर गहनता से विचार किया है।

इब्ने अरबी का पूरा नाम अबू अब्द बिन अल्लाह मोहम्मद इब्न अली इब्न मोहम्मद इब्न अल-अरबी अल-हातिमी अल-ताई अल-आंदालूसी अल-मूशी अल-दिमश्की है, जिन्हें अल-कुशैरी और सुल्तान अल-अरीफ़िन के नाम से भी जाना जाता है। यह मशहूर हातिम ताई के खानदान से ताल्लुक रखने वाले थे। यह सूफीवाद के अभ्यासियों के बीच "शेख अल-अकबर '' की सम्मानित उपाधि से प्रसिद्ध रहे हैं और इन्हें एक संत माना जाता था। मध्ययुगीन यूरोप में इन्हें डॉक्टर मैक्सिमस अर्थात 'महानतम शिक्षक के रूप में भी जाना जाता था। यह एक अरब अंदलुसी मुसलमान विद्वान, रहस्यवादी, कवि और दार्शनिक थे, जो इस्लामी विचारों के बेहद प्रभावशाली थे । इनके 850 कार्यों में से कुल 700 प्रामाणिक हैं जबकि 40 से अधिक अभी भी वर्तमान में उपलब्ध हैं। उनकी ब्रह्मांड संबंधी शिक्षाएँ इस्लामी दुनिया के कई हिस्सों में प्रमुख विश्व-दृष्टि बन गईं।

इनका जन्म 11 जुलाई 1165 ईस्वीं में मूरसिया, स्पेन में हुआ था और इनकी मृत्यु 16 नवंबर 1240 ई. में (उम्र 75 वर्ष) अल सलिहिया, दमिश्क में हुई थी। इब्न अरबी का पैतृक वंश दक्षिण अरब जनजाति से था और उनका मातृ वंश उत्तर अफ्रीकी था। उनके पिता अली इब्न मुहम्मद ने मर्सिया के शासक अबू अब्द अल्लाह मुहम्मद इब्न साद इब्न मर्दनीश की सेना में सेवा की। पिता की मृत्यु के बाद यह मर्सिया से सेविल में आ गए थे। इब्न अरबी सत्तारूढ़ दरबार में बड़े हुए और उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। एक युवा व्यक्ति के रूप में इब्न अरबी सेविल के राज्यपाल के सचिव बने। उन्होंने एक प्रभावशाली खानदानी परिवार की महिला मरियम से शादी की।

इब्ने अरबी , सुन्नी मसलक से थे, फिर भी उनका लेखन शियाओं के बीच भी लोकप्रिय था। इब्ने अरबी

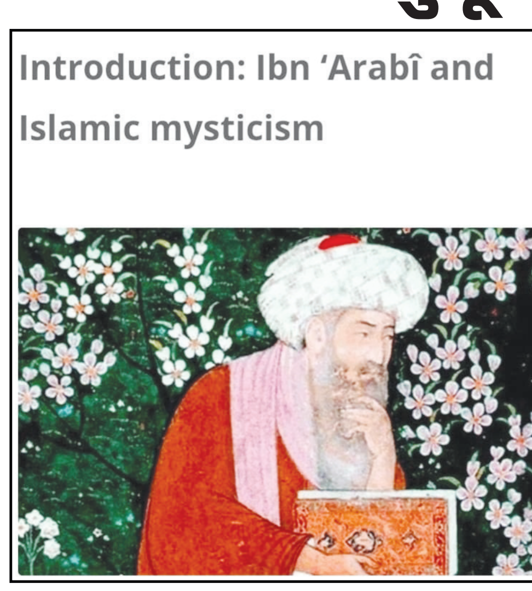

का लेखन मुसलमान अभिजात वर्ग तक ही सीमित नहीं था बल्कि सूफी आदेशों की व्यापक पहुँच के माध्यम से समाज के अन्य वर्गों में अपनी जगह बनाई। इब्ने अरबी का काम फ़ारसी, तुर्कियाई और उर्दू के माध्यम से भी लोकप्रिय हुआ। कई लोकप्रिय कवियों को सूफी आदेशों में प्रशिक्षित किया था और वे अरबी अवधारणाओं से प्रेरित थे। इब्ने अरबी लिखते हैं कि एक बच्चे के रूप में वे धार्मिक शिक्षा पर समय बिताने के बजाय अपने दोस्तों के साथ खेलना पसंद करते थे। उन्होंने अपनी किशोरावस्था में ख़ुदा की अपनी पहली दृष्टि देखी थी और बाद में "उस रूप में शामिल सार्वभौमिक वास्तविकता का भेदभाव" के अनुभव के बारे में लिखा था। बाद में उन्हें अल्लाह के कई और अनुभव हुए और उन्होंने उन्हें "अल्किलमाह मार्ग का पहला मार्ग-दर्शक" कहा गया (पैगंबरों के ज्ञान के मुख्य सिद्धांतों के अध्ययन और आंतरिककरण द्वारा ईश्वरीय सत्य को समझने का मार्ग)। उनके पिता ने उनमें हुए बदलाव पर ध्यान दिया और उनके संबंध में दार्शनिक व न्यायाधीश इब्ने रश्द से इसका उल्लेख किया था जिन्होंने उनको इब्न अरबी से मिलने के लिए कहा था। इब्ने अरबी ने कहा कि इस पहली मुलाकात से उन्होंने तर्क संगत विचार के औपचारिक ज्ञान और चीजों की प्रकृति में अंतर्दृष्टि के अनावरण के बीच अंतर को समझना सीखा था। इसके बाद उन्होंने सूफीवाद को अपना लिया और अपना जीवन आध्यात्मिक मार्ग को समर्पित कर दिया। वे बाद में मोरक्को से फ़ेज़ चले गए, जहाँ मोहम्मद इब्न कासिम अल-तमीमी उनके आध्यात्मिक गुरु बने। 1200 ईस्वीं में उन्होंने अपने सबसे महत्वपूर्ण शिक्षकों में से एक शेख अबू याकूब यूसुफ इब्न यखलाफ अल-कुमी से इजाजत ली जो उस समय साले शहर में रह रहे थे।

इब्न अरबी ने 36 साल की उम्र में पहली बार अंदालुसिया छोड़ा और 1193 ईस्वीं में तूनिस पहुँचे। ट्यूनीशिया में एक साल के बाद वह 1194 ईस्वीं में आंदालुसिया लौट आये। इब्न अरबी के सेविल पहुँचने के तुरंत बाद उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। जब कुछ महीने बाद उनकी मां की भी मृत्यु हो गई, तो उन्होंने दूसरी बार आंदालुसिया छोड़ दिया और अपनी दो बहनों के साथ सन् 1195 में फ़ेज़, मोरक्को की यात्रा की। वह सन् 1198 में कोर्डोबा, आंदालुसिया लौट आये, और सन् 1200 में आखिरी बार जिब्राल्टर से आंदालुसिया को पार करके गये। वहाँ रहते हुए, उन्हें पूर्व की ओर यात्रा करने का निर्देश देने वाला एक दर्शन प्राप्त हुआ। माघरेब में कुछ स्थानों का दौरा करने के बाद उन्होंने 1201 में ट्यूनीशिया छोड़ दिया और 1202 में हज के लिए पहुँचे। वह तीन साल तक मक्का में रहे, और वहाँ उन्होंने अल-फुतुहात अल-मक्किया लिखना शुरू किया। डॉ. एरिक विंकल द्वारा अल-फुतुआत अल-मक्किया का अनुवाद किया गया है। मक्का में समय बिताने के बाद उन्होंने पूरे सीरिया, फिलिस्तीन, इराक और अनातोलिया का भ्रमण किया। 1204 ई में इब्ने अरबी ने शेख मजुद्दीन इसहाक इब्न यूसुफ से मुलाकात की जो मलत्या के मूल निवासी थे और सलजूक़ अदालत में एक महान व्यक्ति थे। इस समय इब्ने अरबी उत्तर की ओर यात्रा कर रहे थे, सबसे पहले उन्होंने मदीना का दौरा किया और 1205 ई. में उन्होंने बगदाद में प्रवेश किया।

शेष अगले अंक में

हमारे नबी स.अ.व. दुनिया के मुफ़क्किरीन की नज़र में

-हबीबुल्ला एडवोकेट

हमारे नबी स.अ.व. के बारे में कुरआने हकीम की सूरत अंबिया की आयत नं. 107 में अल्लाह तआला ने फरमाया है कि "और हमने नहीं भेजा आपको मगर तमाम जहानों के लिये रहमत" इस आयत से जाहिर है कि हमारे नबी स.अ.व. सिर्फ मुसलमानों के लिये नहीं भेजे गये हैं बल्कि आप स.अ.व. तमाम कायनात और इंसानियत के लिये नबीये रहमत बनाकर भेजे गये हैं। अल्लाह तआला का इंसानियत पर यह बड़ा एहसान है कि उसने एक ऐसी ज़ात को मबऊस किया (यानि भेजा) जिन के बारे में एक मुमताज आलिम अल्लामा सैयद सुलेमान नदवी ने अपनी किताब "मोहम्मद स.अ.व. और मिसाली नबी" में फरमाया है कि वोह अच्छी तरह बाखबर नबी हैं, खुदा के हुक्म के गवाह हैं, खुश-खबरी वाले हैं, गुमराह को खुदा के रास्ते की तरफ लाने वाले हैं, आप स.अ.व. एक ऐसी चमकती हुई रोशनी हैं जो अन्धेरों को दूर करती है और सीधा रास्ता दिखाती है"। नदवी मज़ीद कहते हैं कि "हिन्दुओं, सिखों, ब्राह्मण, समाजियों और दीगर की एक अच्छी तादाद ने आप स.अ.व. के बारे में लिखा है। यूरोप में भी मुफक्किरीन ने इस्लाम और नबी स.अ. व। के बारे में अपनी रायों और ख्यालात का इज़हार किया है। दमिश्क के एक अदबी मुजल्ले (रिसाला) में जिसका नाम "अलमुकतबिस" है, में तकरीबन 15 साल पहले हमारे नबी स.अ.व. की जिन्दगी पर यूरपी कामों को एक फहरिस्त शाया की थी, जिसमें तेरह हज़ार (13000) किताबें दर्ज थीं। जिनमें हमारे नबी स.अ.व. की जिन्दगी और आप के तरीकेकार और इसलाहे इनसायत के कारे नुमायां पर तफ़सील के साथ अपने- अपने ख्यालात का अलग-अलग मुसन्निफों ने आप स.अ.व. की इमेतियाज़ी शान बान की है"।

जॉर्ज बरनाडशाह इंग्लिसतान का एक माया नाज़ फलसफी है। वोह एक मुलहिद (खुदा को न मानने वाला) शख्स है, लेकिन हुज़ूर सरवटे कायनात स.अ.व. की सवाने हयात और फ़लसफ़ाये जिन्दगी ने उसे भी इस बात को तसलीम करने पर मजबूर कर दिया कि आंहज़रत स.अ.व. आलमे इन्सानियत के निजात देहिंदा थे। जॉर्ज बरनाडशाह फरमाते हैं कि "मैंने हमेशा मुहम्मद स.अ.व. को बड़ी कदरों मंजिलत की नज़र से देखा क्योंकि उनके अन्दर हैरतअंगेज़ ज़िन्दगी पाई जाती है मेरे नज़दीक मुहम्मद स.अ.व. का मज़हब ही एक ऐसा मज़हब है जिसके अन्दर हर जमाने की जरूरतों को पूरा करने की सलाहियत मौजूद है"।

बिला शुबह दुनिया को चाहिये कि मेरे जैसे बड़े आदमी की पेशीन गोइयों को अज़हद कदरो मनज़िलत के चुनाचि मुहम्मद स.अ.व. के मज़हब की निसबत मेरी पेशीन गोई यह है कि इमरोज़ व फरदा में यूरोप इसी को कुबूल कर लेगा। मैंने इस हैरतअंगेज इंसान मुहम्मद स.अ.व. की जिन्दगी का मुताला किया है और मेरी राय यह है कि मुहम्मद स.अ.व. को हज़रत ईसा स.अ. और ईसाइयत का मुखालिफ़ तो नहीं बल्कि आलमे इंसानियत का निजात देहेन्दा समझा जाना चाहिये । मुझे यकीन है कि अगर मुहम्मद स.अ.व. जैसा आदमी मौजूदा दुनिया का डिक्टेटर बन जाये तो उसे मौजूदा दुनिया की उन तमाम उलझनों को सुलझा देने में ऐसी कामयाबी होगी कि दुनिया को जिस अमन व शांति की इस कदर ज़रूरत है वोह अमन और शादयानी दुनिया को हासिल हो जायेगी।

बरनाडशाह कहते हैं कि उन्नीसवीं सदी में यूरोप ने इतनी तरक्की हासिल नहीं की थी उस वक्त भी यूरोप के अन्दर कार लाइल, गोइटे और गिबन जैसे ईमानदार मुफक्किरीन मौजूद थे । जिन्होंने मुहम्मद स.अ.व. के मज़हब की हकीकत कदरो मंजिलत पहचान ली थी और इसलिये उनके ज़माने से इस्लाम के साथ यूरोप के तर्ज़ अमल में एक खुशगवार तबदीली शुरू हो गयी थी। मगर दौरे हाज़िर के यूरोप को मोहम्मद स.अ.व. के मज़हब के साथ ज्यादा से ज़्यादा उंसियत होती जा रही है। बीसवीं सदी तक यूरोप के कदम इस मामले में और ज़्यादा बढ़ जायेंगे और यूरोप अपनी उलझनों को सुलझाने के बाब में मुहम्मद स.अ.व. के मज़हब की फाइदा रसानी को महाइल करेगा ।

खैर यह तो आइन्दा की बात है लेकिन इस वक्त भी मेरे बहुत से हम कौमों और दूसरे यूरोपियन लोगों ने मुहम्मद स.अ.व. का मज़हब इखतियार कर लिया है और इस तरह यूरोप ने इस्लाम के सामने सरे तसलीमे खम करना शुरू कर दिया है (अज़ कुतुब मखजने तसव्वुफ)।

बरनाड शाह की यह पेशीनगोई आज सही साबित हो रही है। यूरोप के मुमालिक और दीगर दुनिया के मुल्कों में इस्लाम तेजी से फैल रहा है और लोग अपनी मौजूदा जिन्दगी से बेज़ार होकर इस्लाम कबूल कर रहे हैं। बरनाडशाह की पेशीनगोई सच साबित हो रही है।

माइकल एच हार्ट ने अपनी किताब "दी हन्ड्रेड" जिस में दुनिया की 100 अज़ीम हस्तियों और उनके कारनामों पर रोशनी डाली है। माइकल एच हार्ट ने हमारे नबी स.अ.व. को नम्बर एक पर रखा है। वोह कहते हैं कि "मुहम्मद स.अ.व. दुनियां की मोअस्सर तरीन शख़्सियतों में सरे फहरिस्त रखने के मेरे इन्तेख़ाब से बहुत से लोग हैरत में पड़ सकते हैं और कुछ दीगर सवाल भी कर सकते हैं । लेकिन तारीख में मुहम्मद स.अ.व. वाहिद ऐसे शख्स थे जो मज़हबी और जमहूरी यानि दुनियावी दोनों एतबार से दोनों में बयक वक्त सबसे ज्यादा कामयाब रहे"।

जर्मनी युफ़क्किर गोइटे ने कहा है कि अगर इस्लाम के मायने अल्लाह के सामने सरे तसलीमे खम करना है तो हम सब इस्लाम में जीते हैं और इस्लाम में मरते हैं। यह अकलो हकीकत से हम आहंग हैं और इसे जल्द या देर से तसलीम करना ही पड़ेगा।

थामस कारलाइल (यू के स्कॉटलेंड) ने इस्लामी मर्कज़ी तसव्वुर को बयान करते हुए कहा है कि रसूल स.अ.व. के उसूलों पर साबित कदम, मेहरबान, मुखलिस, परहेज़गार और हिकमत व शुजाअत में आला थे। आप एक अजीमुश-शान इंसान थे, एक खामोश और संजीदा रूह जो पूरे दिलो जान से मुखलिस थे"।

एलफोनजे डी लमर टाइन (फ्रांस) ने अजमते रसूल स०अ.व. को यूं बयान किया है कि "अगर इंसान की अज़मत का पैमाना अजीम मकसद, महदूद वसाइल और शानदार नताइज हैं तो कौन-सा इंसान है जो मुहम्मद स.अ.व. से मुकाबला कर सके। आप स.अ.व. फ़लसफ़ी, खतीब, रसूल, कानून साज़ इफकार के फ़ातेह और रूहानी सल्तनत के बानी थे।

शेष अगले अंक में

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 4009 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 4 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 दिसंबर से शुरू होगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 21 जनवरी तय की गई है। रिजल्ट 15 मई 2026 को जारी किया गया है।

आवेदन शुरू :
20 दिसम्बर से 21 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
बीटेक, बीई, डिप्लोमा, आईटीआई की डिग्री, 12वीं पास, जीएनएम, एमएससी, एमटेक, एमसीए, पीजी डिप्लोमा या समकक्ष डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

फीस :
जनरल, अन्य राज्य के उम्मीदवार : 1200 रुपए
ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी, पीएच : 600 रुपए

सैलरी :
18,000 - 42,700 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

एग्जाम पैटर्न :
जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट सेक्शन पर क्लिक करें।
ऑनलाइन अप्लाई के लिंक पर क्लिक करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में 2755 पदों पर भर्ती

- 12वीं पास को मौका, बिना एग्जाम, इंटरव्यू के सिलेक्शन

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) ने अप्रेंटिस के 2755 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार IOCL की ऑफिशियल वेबसाइट iocl.com या अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। यह ट्रेनिंग 12 से 24 महीने के लिए की जाएगी।

आवेदन शुरू :
28 नवम्बर से 18 दिसंबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 12वीं पास, संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, आईटीआई की डिग्री

एज लिमिट :
अनारक्षित, ईडब्ल्यूएस : 18 से 24 वर्ष
ओबीसी (NCL) : 18 से 27 वर्ष
एससी/एसटी : अधिकतम 29 साल
PwBD (UR/EWS) : अधिकतम 34 वर्ष

स्टाइपेंड :
अप्रेंटिस नियमों के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मार्क्स के बेसिस पर मेरिट लिस्ट जारी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
डेट ऑफ बर्थ के रूप में संबंधित शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी 10वीं/एसएसएलसी/ मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट और मार्कशीट
जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
जाति वैधता प्रमाण पत्र (केवल महाराष्ट्र राज्य के लिए लागू)
पीडब्ल्यूबीडी प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
नवीनतम ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
पैन कार्ड/ आधार कार्ड
हालिया रंगीन पासपोर्ट साइज की फोटोग्राफ
नीली स्याही में सिग्नेचर।

ऐसे करें आवेदन :
IOCL की ऑफिशियल वेबसाइट iocl.com पर जाएं।
होम पेज पर उपलब्ध करियर लिंक पर क्लिक करें।
एक नया पेज खुलेगा जहां रजिस्ट्रेशन लिंक उपलब्ध होगा।
लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।
अपने अकाउंट में लॉग इन करके फॉर्म भरें।
फॉर्म सब्मिट करें। आगे की जरूरत के लिए इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 4116 पदों पर निकली भर्ती

आरआरसी नॉर्दन ईस्ट की ओर से 4116 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती अभियान के तहत फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, कारपेंटर आदि जैसे ट्रेडस में अप्रेंटिस की भर्ती की जाएगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrcnr.org पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।
आवेदन शुरू: 25 नवंबर 2025
लास्ट डेट: 24 दिसंबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास, ITI या समकक्ष डिग्री।

एज लिमिट :
अधिकतम 24 साल

फीस :
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस - 100 रुपए
एससी, एसटी, महिलाएं, दिव्यांग : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट सूची
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

स्टाइपेंड :
7,000 - 10,000 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrcnr.org पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

प्रश्न 51. बौद्ध धर्म में 'संघ' का क्या अर्थ है?
(A) धर्म ग्रंथ (B) भिक्षुओं का संगठन (C) राज्य (D) तीर्थ
उत्तर: (B)
व्याख्या: संघ का अर्थ भिक्षुओं का समुदाय है, जो बुद्ध के उपदेशों का पालन करता है।

प्रश्न 52. जैन धर्म में 'कैवल्य' का अर्थ है —
(A) ज्ञान (B) मुक्ति
(C) तपस्या (D) मोक्ष का मार्ग
उत्तर: (B)
व्याख्या: जैन धर्म में कैवल्य का अर्थ आत्मा की मुक्ति या मोक्ष से है।

प्रश्न 53. अजंता की गुफाएँ मुख्यतः किस काल में बनीं?
(A) मौर्य काल (B) गुप्त काल
(C) शुंग काल
(D) सातवाहन काल
उत्तर: (B)
व्याख्या: अजंता की गुफाएँ मुख्यतः गुप्त काल में निर्मित हुईं, जिनमें बुद्ध के जीवन की चित्रकथाएँ अंकित हैं।

प्रश्न 54. एलोरा गुफाओं में कौन-से धर्म के गुफाएँ हैं?
(A) बौद्ध (B) जैन
(C) हिन्दू (D) उपर्युक्त सभी
उत्तर: (D)
व्याख्या: एलोरा गुफाओं में बौद्ध, जैन और हिन्दू तीनों धर्मों की गुफाएँ हैं, जो धार्मिक सहिष्णुता का प्रतीक हैं।

प्रश्न 55. 'कैलाश मंदिर' कहाँ स्थित है?
(A) अजंता (B) एलोरा
(C) सांची (D) नालंदा
उत्तर: (B)
व्याख्या: एलोरा में स्थित कैलाश मंदिर राष्ट्रकूट शासक कृष्ण प्रथम ने बनवाया था।

प्रश्न 56. सांची का स्तूप किसने बनवाया था?
(A) अशोक (B) चंद्रगुप्त मौर्य
(C) बिंदुसार (D) समुद्रगुप्त
उत्तर: (A)
व्याख्या: सांची का स्तूप मौर्य सम्राट अशोक ने बनवाया था, जो बौद्ध कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रश्न 57. अमरावती स्तूप कहाँ स्थित है?
(A) तमिलनाडु (B) आंध्र प्रदेश (C) मध्य प्रदेश
(D) महाराष्ट्र
उत्तर: (B)
व्याख्या: अमरावती स्तूप आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के तट पर स्थित है, जो बौद्ध धर्म से संबंधित है।

प्रश्न 58. भारत में 'तमिल संगम' का केंद्र कहाँ था?
(A) मदुरै (B) तंजावुर (C) कांचीपुरम (D) त्रिचिनोपल्ली
उत्तर: (A)
व्याख्या: तमिल संगम साहित्य का केंद्र मदुरै था, जहाँ विद्वान कवियों की सभाएँ होती थीं।

प्रश्न 59. 'भक्ति आंदोलन' की प्रारंभिक जड़ें किस काल से जुड़ी हैं?
(A) गुप्त काल
(B) वैदिक काल
(C) संगम काल
(D) मौर्य काल
उत्तर: (C)
व्याख्या: भक्ति आंदोलन की प्रारंभिक जड़ें दक्षिण भारत के संगम कालीन तमिल कवियों – आलवार और नायनार – से जुड़ी थीं।

प्रश्न 60. 'रामायण' के रचयिता कौन हैं?
(A) व्यास (B) वाल्मीकि
(C) कालिदास
(D) विष्णु शर्मा
उत्तर: (B)
व्याख्या: महर्षि वाल्मीकि को 'आदिकवि' कहा जाता है, और उन्होंने 'रामायण' की रचना की।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

आवश्यकता

वोडाफोन & एयरटेल कंपनी को कैनोपी पर बैठने के लिए महिला व पुरुष स्टाफ की जरूरत है, जो कस्टमर को सिम वगैरा दे / बैच सके !
सैलरी 12K से ₹15,000 इंसेंटिव ₹9000 अलग से हैं
जॉब लोकेशन : चार दरवाजा, रामगंज, घाट गेट, राजा पार्क, आदर्श नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, आगरा रोड
कॉल करें @ HR इरफान अख्तर 9828 733222

घर पर छोटे से बच्चे को संभालने के लिए महिला स्टाफ की जरूरत है, जो बच्चे की अच्छे से देखभाल कर सके!
सिरसी रोड : नीता मैंम
खातीपुरा : पूजा मैंम
सिविल लाइन : खान साहिबा
सैलरी : 10 से 13 से ₹14,000 रुपए तक + रहना + खाना फ्री है
HR Irfan Akhtar 9828733222
Limra Foundation& E-commerce Institute
We Do hire all kinds of Staffs

फेज़ान साहब के जयपुरी रजाई को चेक और पैक करने के लिए हेल्पर स्टाफ की जरूरत है
काम ट्रेनिंग में सिखा दिया जाएगा, ट्रेनिंग की सैलरी भी मिलेगी!
ट्रेनिंग में पगार : 6 हजार
अगले महीने से पगार 10 हजार
जॉब लोकेशन ! गंगापोल -चार दरवाजा जयपुर
HR @ Iran Akhtar 9828733222

खान साहब के यहां पर राजा पार्क, आदर्श नगर और रामगंज, चौपड़ की साइड में न्यूज़ पेपर बांटने के लिए स्टाफ की जरूरत है
सैलरी ₹10,000 + गाड़ी का पेट्रोल
HR 9828733222

चाँदपोल / M I रोड़ पे किन्ही खान साहब की होटेल लिए स्टाफ की जरूरत है! 1) एक कुक स्टाफ की जरूरत है ₹15K से 25 हजार तक! जिन्हें खाना व सब्जियां अच्छी बनाना आता हों! 2) मैनेजर स्टाफ की जरूरत है 15-16K कोई भी 12th / ग्रेजुएट स्टाफ अप्लाई कर सकता है! 3) रूम बॉय की जरूरत है 10K! प्लेस : □चाँदपोल / M I रोड़ जयपुर HR इरफान अख्तर 9828733222 लिमरा फाउंडेशन लिमरा डिजिटल इंस्टिटूट आदर्श नगर जयपुर

लेडिज एथेनिक गारमेंट शोरूम के लिए महिला स्टाफ की जरूरत है जो लेडिज कस्टमर का सपोर्ट कर सके!
सैलरी : 10K से ₹14,000 तक
जॉब लोकेशन □: सोडाला, सिविल लाइन और सांगानेरी गेट जयपुर
HR Irfan Akhtar @ 9828733222
□Limra Foundation
□LIMRA Institute of Digital Technology & E-commerce

वैशाली नगर में गारमेंट शोरूम के लिए गर्ल्स / बॉय स्टाफ की जरूरत है!
अनुभवी स्टाफ को प्राथमिकता दीजाएगी !
जॉब लोकेशन : वैशाली नगर जयपुर
सैलरी 14K से ₹20,000 तक
HR Irfan Akhtar #
Hiteshi Sharma
9828733222
LIMRA Foundation

पत्नी के नाम पर जमीन लेने वालों के लिए

पत्नी के नाम पर जमीन लेने वालों के लिए सरकार ने 2025 में बड़ा बदलाव किया है। नए Land Registration Rule 2025 के तहत जमीन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाया गया है। खासतौर पर उन लोगों के लिए यह नया नियम महत्वपूर्ण है जो अपनी पत्नी के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदते हैं। अब जमीन खरीदते समय खरीद की राशि का स्रोत और अन्य जरूरी दस्तावेज प्रमाणित करना अनिवार्य होगा। सरकार का मकसद है कि जमीन के मामले में धोखाधड़ी और विवादों को कम किया जाए।

नए नियमों के तहत अब जमीन रजिस्ट्रेशन के लिए दो मुख्य दस्तावेज जरूरी होंगे। पहली पहचान के लिए आधार आधारित सत्यापन और दूसरी संपत्ति की पुष्टि के लिए सही जमीन के कागजात जैसे कि फॉर्म 7/12, आरटीसी या पट्टा। ये सभी दस्तावेज डिजिटल प्रणाली के जरिए संबंधित विभागों के ऑनलाइन पोर्टल्स से मिलान किए जाएंगे। इस प्रक्रिया से जमीन के स्वामित्व और ट्रांसफर के मामले में पारदर्शिता बढ़ेगी और धोखाधड़ी की संभावना कम होगी। पति और पत्नी दोनों के डिजिटल हस्ताक्षर जरूरी होंगे, जिससे गलत उपयोग और फर्जीवाड़ा रोका जा सकेगा।

Land Registration Rule 2025-

सरकार ने Land Registration Rule 2025 के माध्यम से जमीन पंजीकरण की प्रक्रिया में कई सख्त प्रावधान जोड़े हैं। अब यदि कोई जमीन पत्नी के नाम करता है तो उसे अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने होंगे। इसमें सबसे जरूरी है कि निवेश के लिए जो पैसा उपयोग किया गया है, उसका स्रोत स्पष्ट होना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अवैध या गबन किए गए धन से जमीन खरीद नहीं की जा रही।

पंजीकरण ऑफिस में अब हर दस्तावेज़ की डिजिटल जाँच होगी, जिससे कि कोई भी दस्तावेज गलत या नकली न हो सके। जमीन के कागजात को ऑनलाइन राजस्व विभाग, नक्शा विभाग और रजिस्ट्री कार्यालय के जरिए एक प्लेटफॉर्म पर सत्यापित किया जाएगा। इससे जमीन से जुड़े विवादों जैसे कि दोगुनी बिक्री, बैन या अटैक्ड प्रॉपर्टी की जानकारी तुरंत मिल जाएगी। महिला के नाम तो जमीन खरीद पाना आसान हो जाएगा लेकिन पूरी पारदर्शिता और क़ानूनी सुरक्षा के साथ।

सरकार ने यह बदलाव इसलिए भी किए हैं ताकि जो लोग अपनी पत्नी के नाम जमीन खरीदते हैं, वे अब जिम्मेदारी से काम करें और एक पारदर्शी प्रक्रिया से गुजरें। साथ ही प्रॉपर्टी से जुड़े भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और भ्रष्ट रजिस्ट्री कर्तव्यों पर अंकुश लगेगा। डिजिटल प्रवर्तन के कारण, पहले जहां जमीन खरीदने वालों को कई बार झूठे दस्तावेजों की समस्या होती थी, अब ऐसा होने से बचाव होगा। यह नियम पति-पत्नी दोनों के हितों की रक्षा करता है।

कैसे होगा आवेदन और क्या दस्तावेज चाहिए-

यह नियम 2025 से लागू हो गए हैं। पत्नी के नाम जमीन खरीदना हो तो सबसे पहले पहले जमीन का पूरा विवरण चाहिए। इसके लिए जमीन के पुराने मालिक के दस्तावेज, जमीन का नक्शा, और रजिस्ट्री कागजात तैयार करना जरूरी होगा। साथ ही जमीन की कीमत और भुगतान के स्रोत का प्रमाण भी देना होगा, जैसे बैंक ट्रांजैक्शन, चालान या वैध वित्तीय दस्तावेज।

आधार कार्ड के जरिए पति और पत्नी दोनों की पहचान सत्यापित करनी होगी। दोनों के डिजिटल हस्ताक्षर पंजीकरण फार्म में जरूरी होंगे। जमीन के मूल्यांकन, एनकम्ब्रांस सर्टिफिकेट और ऋण/बंधक स्थिति की जांच भी ऑनलाइन की जाएगी। इस प्रक्रिया में कोई कागजी दस्तावेज़ अटकल या संशोधन के बिना डिजिटल सत्यापन पर निर्भर होंगे, जिससे प्रॉपर्टी खरीद प्रक्रिया तेज और निष्पक्ष होगी।

यह नियम जमीन खरीदने वालों को फर्जी दस्तावेज, नकली बिक्री, या गलत नामांतरण से बचाने के लिए बनाए गए हैं। पति या पत्नी कोई भी डिजिटल सिस्टम द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों की जांच के बिना जमीन की लेनदेन नहीं कर सकते। ऐसे में पिछले नियमों से कई गुना ज्यादा सुरक्षा और पारदर्शिता मिलती है।

-फज़लुर्रहमान

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

शरीर में ट्यूमर बनने के कारण: क्या हैं असल वजहें और कैसे करें बचाव?

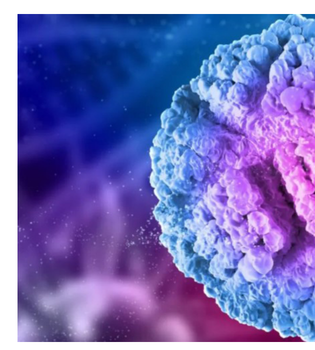

ट्यूमर (Tumor) शब्द सुनते ही अधिकतर लोगों के मन में डर बैठ जाता है, जबकि हर ट्यूमर कैंसर नहीं होता। ट्यूमर का मतलब शरीर में किसी टिश्यू या कोशिकाओं का असामान्य रूप से बढ़ जाना है, जिससे एक गांठ या उभार बन जाता है। इसे चिकित्सा भाषा में अर्बुद (Neoplasm) भी कहा जाता है। यह शरीर के किसी भी हिस्से—जैसे दिमाग, फेफड़े, ब्रेस्ट, पेट, लिवर, हड्डी या त्वचा—में हो सकता है। आमतौर पर हमारे शरीर में पुरानी, खराब या क्षतिग्रस्त कोशिकाएं समय के साथ खत्म होती रहती हैं और उनकी जगह नई स्वस्थ कोशिकाएं बनती हैं। लेकिन जब यह प्राकृतिक प्रक्रिया किसी कारणवश बिगड़ जाती है और कोशिकाएं बिना नियंत्रण के बढ़ने लगती हैं, तो वे इकट्ठा होकर ट्यूमर का रूप ले लेती हैं। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? इसके पीछे कौन-कौन से कारण जिम्मेदार हैं? आइए, डॉक्टर की राय के साथ इसे विस्तार से समझते हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉ. अरुण शर्मा, हेड न्यूरोसर्जन, यथार्थ हॉस्पिटल, नोएडा के अनुसार, "पिछले कुछ सालों में ट्यूमर के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजहें हैं—खराब खान-पान, प्रोसेस्ड फूड का ज्यादा इस्तेमाल, बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल, व्यायाम की कमी और बढ़ता रेडिएशन एक्सपोज़र। इसके अलावा कुछ मामलों में जेनेटिक यानी वंशानुगत कारण भी जिम्मेदार होते हैं।" उनका कहना है कि आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में लोग सेहत पर कम और काम पर ज्यादा ध्यान देते हैं। देर रात तक जागना, तनाव, धूम्रपान, शराब और जंक फूड शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

ट्यूमर बनने के मुख्य कारण

खराब खान-पान और प्रोसेस्ड फूड: आजकल लोग घर के ताजे भोजन की जगह पैकेटबंद और प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाने लगे हैं। इसमें प्रिज़रवेटिव, आर्टिफिशियल रंग और केमिकल होते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स बढ़ाकर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। लंबे समय तक ऐसा भोजन करने से ट्यूमर बनने की संभावना बढ़ जाती है।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल: शारीरिक गतिविधि की कमी, ज्यादा देर तक बैठकर काम करना, नींद पूरी न होना और मानसिक तनाव—ये सभी फैक्टर शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करते हैं। इससे कोशिकाओं की मरम्मत की प्रक्रिया प्रभावित होती है और असामान्य कोशिकाएं पनपने लगती हैं।

रेडिएशन और प्रदूषण: मोबाइल फोन, लैपटॉप, वाई-फाई, हाई-टेंशन लाइन, मेडिकल रेडिएशन (जैसे बार-बार सीटी स्कैन) और वायु प्रदूषण—ये सभी शरीर पर धीरे-धीरे नकारात्मक असर डालते हैं। लगातार रेडिएशन के संपर्क में रहने से डीएनए को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे ट्यूमर या कैंसर का जोखिम बढ़ता है।

जेनेटिक कारण: कुछ लोगों में जन्म से ही ऐसे जीन होते हैं, जो उन्हें ट्यूमर या कैंसर की ओर ज्यादा संवेदनशील बना देते हैं। अगर परिवार में पहले से किसी को कैंसर या ट्यूमर रहा है, तो अगली पीढ़ी में इसका खतरा बढ़ सकता है।

हार्मोनल असंतुलन: कुछ ट्यूमर हार्मोनल बदलावों के कारण भी होते हैं, जैसे ब्रेस्ट या थायरॉइड ट्यूमर। हार्मोन का ज्यादा या कम होना कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है।

ट्यूमर के मुख्य प्रकार

सौम्य (Benign) ट्यूमर

सौम्य ट्यूमर कैंसरयुक्त नहीं होते। ये आमतौर पर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और शरीर के अन्य हिस्सों में नहीं फैलते। ये आसपास के टिश्यू पर हमला नहीं करते और अक्सर सर्जरी से आसानी से हटाए जा सकते हैं। अधिकतर मामलों में ये दोबारा नहीं होते। हालांकि, अगर सौम्य ट्यूमर किसी संवेदनशील या महत्वपूर्ण अंग—जैसे मस्तिष्क—में हो, तो वह दबाव डालकर गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

घातक (Malignant) ट्यूमर

घातक ट्यूमर को ही कैंसर कहा जाता है। ये तेज़ी से बढ़ते हैं, आसपास के ऊतकों को नुकसान पहुंचाते हैं और खून या लसीका तंत्र के ज़रिए शरीर के दूसरे हिस्सों में फैल सकते हैं, जिसे मेटास्टेसिस कहा जाता है।

इनके इलाज में सर्जरी के साथ-साथ कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी की जरूरत पड़ सकती है।

क्या सभी ट्यूमर कैंसर होते हैं?

नहीं, सभी ट्यूमर कैंसर नहीं होते। यह एक आम गलतफहमी है। अधिकतर ट्यूमर सौम्य होते हैं और शरीर के दूसरे हिस्सों के लिए खतरा नहीं बनते। लेकिन किसी भी तरह की गांठ या असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सही समय पर जांच और इलाज बेहद जरूरी है, ताकि अगर ट्यूमर घातक हो, तो उसे शुरुआती स्टेज में ही नियंत्रित किया जा सके।

बचाव के लिए क्या करें?

ताजा, संतुलित और घर का बना खाना खाएं, प्रोसेस्ड और जंक फूड से दूरी बनाए रखें, नियमित व्यायाम और योग को दिनचर्या में शामिल करें, तनाव कम करें और पूरी नींद लें, धूम्रपान और शराब से बचें, किसी भी गांठ, लगातार दर्द या असामान्य लक्षण पर तुरंत डॉक्टर से जांच कराएं। ट्यूमर एक गंभीर विषय है, लेकिन जानकारी और समय पर इलाज से इससे डरने की जरूरत नहीं है। जागरूकता, स्वस्थ जीवनशैली और नियमित मेडिकल चेकअप से ट्यूमर का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है।

CBSE Workshops: स्कूल पढ़ाई से आगे अब करियर और नौकरी की तैयारी में भी मदद करेगा सीबीएसई

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) अब केवल परीक्षा और सिलेबस तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि वह स्कूली छात्रों को भविष्य के करियर और नौकरी के लिए तैयार करने की दिशा में भी अहम कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में सीबीएसई ने जुलाई महीने में करियर डेवलपमेंट पर आधारित वर्चुअल वर्कशॉप्स की एक विशेष सीरीज आयोजित करने की घोषणा की है। इन ऑनलाइन कार्यशालाओं की खास बात यह है कि इनमें सिर्फ छात्र ही नहीं, बल्कि शिक्षक, अभिभावक, स्कूल प्रधानाचार्य और करियर काउंसलर भी शामिल हो सकेंगे। इसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को सही करियर चुनने, बेहतर निर्णय लेने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

सीबीएसई की पहल: शिक्षा से आगे करियर मार्गदर्शन

आज के बदलते दौर में करियर विकल्पों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में छात्रों के लिए यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि किस दिशा में आगे बढ़ा जाए। सीबीएसई की इन वर्कशॉप्स को इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। बोर्ड का मानना है कि अगर छात्र, शिक्षक और अभिभावक तीनों मिलकर सही जानकारी के साथ निर्णय लें, तो करियर से जुड़ा तनाव काफी हद तक कम किया जा सकता है। यही वजह है कि इन वर्कशॉप्स में सभी स्टेकहोल्डर्स को एक साथ जोड़ा गया है।

किसके लिए होंगी ये ऑनलाइन वर्कशॉप्स?

सीबीएसई द्वारा आयोजित ये वर्चुअल कार्यशालाएं निम्नलिखित समूहों के लिए होंगी: कक्षा 9 से 12 तक के छात्र अभिभावक (Parents), शिक्षक और स्कूल काउंसलर, स्कूल प्रिंसिपल और प्रशासक, करियर मार्गदर्शन से जुड़े प्रोफेशनल्स, हर सप्ताह एक विशेष समूह को ध्यान में रखकर अलग वर्कशॉप आयोजित की जाएगी ताकि सभी को उनकी भूमिका के अनुसार मार्गदर्शन मिल सके।

वर्कशॉप्स का उद्देश्य क्या है?

इन वर्चुअल क्लासों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को करियर से जुड़े फैसले लेने में मदद करना है। वर्कशॉप्स के जरिए: छात्रों को अपनी रुचि, योग्यता और स्किल्स पहचानने में मदद मिलेगी, अभिभावकों को यह समझाया जाएगा कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव डाले बिना उन्हें कैसे सपोर्ट करें, शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों को स्टूडेंट-सेंट्रिक करियर गाइडेंस देने की ट्रेनिंग मिलेगी, बदलते जॉब मार्केट और नई करियर संभावनाओं से सभी को अवगत कराया जाएगा

इन वेबिनार्स में किन विषयों पर चर्चा होगी?

सीबीएसई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, इन कार्यशालाओं में कई अहम विषयों पर चर्चा की जाएगी, जैसे:

करियर काउंसलिंग और करियर प्लानिंग, स्ट्रीम सेलेक्शन (Science, Commerce, Arts), स्किल-बेस्ड एजुकेशन और व्यावसायिक कोर्स, 21वीं सदी की जॉब स्किल्स, मानसिक स्वास्थ्य और निर्णय लेने की क्षमता, पैरेंट्स-स्टूडेंट कम्युनिकेशन, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर, इन सभी विषयों पर अनुभवी वक्ता और एक्सपर्ट्स अपने विचार साझा करेंगे।

जुलाई में होगा आयोजन, जारी किया गया शेड्यूल

सीबीएसई ने इन वर्कशॉप्स के लिए जुलाई महीने की डेट्स घोषित कर दी हैं और पूरा शेड्यूल भी जारी किया गया है। इस शेड्यूल में शामिल हैं: वर्कशॉप की तिथि और समय, विषय (Topic), वक्ता (Speaker), रजिस्ट्रेशन लिंक, वेबिनार जॉइन करने का लिंक, प्रतिभागी अपनी सुविधा और रुचि के अनुसार इन सत्रों में रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

रिकॉर्डिंग भी होगी उपलब्ध

जो लोग किसी कारणवश लाइव वर्कशॉप में शामिल नहीं हो पाएंगे, उनके लिए भी सीबीएसई ने व्यवस्था की है। सभी सत्रों की रिकॉर्डिंग सीबीएसई के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध कराई जाएगी। यूट्यूब चैनल: youtube.com/@cbsehq1905, इससे छात्र, शिक्षक और अभिभावक कभी भी और कहीं से भी इन वेबिनार्स को देख सकेंगे।

स्टूडेंट्स और पैरेंट्स के लिए क्यों ज़रूरी है यह पहल?

आज करियर को लेकर सिर्फ अंक या डिग्री काफी नहीं है। सही मार्गदर्शन, सही समय पर लिया गया फैसला और मानसिक तैयारी बेहद जरूरी हो गई है। सीबीएसई की यह पहल: छात्रों को भ्रम और दबाव से बाहर निकालने में मदद करेगी, अभिभावकों को बच्चों के करियर के प्रति समझदार दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करेगी, स्कूलों में करियर गाइडेंस को एक संस्थागत ढांचे में लाने का काम करेगी।

सीबीएसई की ये वर्चुअल करियर डेवलपमेंट वर्कशॉप्स भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम हैं। इससे साफ है कि बोर्ड अब छात्रों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके भविष्य और रोजगार की चिंता भी कर रहा है। अगर छात्र, शिक्षक और अभिभावक इन वर्कशॉप्स का सही तरीके से लाभ उठाते हैं, तो यह पहल बेहतर करियर निर्णयों और आत्मविश्वासी पीढ़ी की नींव रख सकती है।

हैड कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक बने पुलिसकर्मियों का समाजसेवी माजिद सलीम द्वारा स्वागत कार्यक्रम आयोजित

-नवनियुक्त महिला थानाधिकारी आशा रानी बारहट का भी किया सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका) । बारां अंजुमन कमेटी के सदर व नेशनल टेलर एंड रेडिमेट के संचालक, समाजसेवी माजिद सलीम द्वारा निजी आवास पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हाल ही में पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक (ASI) बनने पर फरीदुद्दीन कुरैशी, दिलीप सिंह, विनोद जी, हरिनारायण नागर, विजेंद्र राठौर, घनश्याम योगी, बलराम नामदेव, आशीष यादव, नदीम अहमद, धर्मपाल जी, सौभाग मीणा, नेमीचंद जी, मुकुट बिहारी मीणा, गिर्राज मेहरा, नरेंद्र गुर्जर, नेमीचंद जी, श्रीमती रजिया, तमन्ना परवीन, दिनेश जी का माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया ओर बेहतर भविष्य की बधाई दी गई। कार्यक्रम में नवनियुक्त महिला थानाधिकारी आशा रानी बारहट का सम्मान किया गया। वहीं पीजी कंपलीट होने पर डॉक्टर इफ्तिखार अहमद का भी सम्मान किया गया। इसके अलावा राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर मास्टर शौकत अंसारी का भी सम्मान किया गया। अतिथि के रूप में बोलते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ मजीद मलिक कमांडो ने कहा कि प्रमोशन होने पर आप सभी को बधाई। आप समाज की समस्याओं को जल्द सुलझाए ओर अपराधों में कमी लाए आपसे यही अपेक्षा है। महिला थानाधिकारी आशा रानी बारहट ने कहा कि बारां से मेरा विशेष लगाव है। में शहर की अपेक्षा पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी और अपराध में कमी लाने ओर महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों में भी कमी लाने के लिए प्रयास करूंगी। अंत में समाजसेवी माजिद सलीम ने आए हुए सभी अतिथियों ओर पुलिसकर्मियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में शहर काजी अब्दुल कय्यूम साहब, अब्दुल लतीफ फॉरवर्ड, सुरेश गोयल, साजिद सलीम, आदित्य भारद्वाज, डॉ. अहसान अंसारी, जाकिर मंसूरी, शाहिद कुंडी, मोहम्मद आसिफ भाईजान, एडवोकेट फिरोज खान, इकबाल नेता, सईद भाई डिस्क, उमर वेल्डर, इमरान अंसारी फॉरवर्ड, असलम मंसूरी, युवा नेता वाजिद सलीम, डॉक्टर हाजी अब्दुल रशीद, मोहम्मद रफीक मीठीया, आजाद अंसारी, मास्टर शाहिद, डॉ वसीम अहमद, माशूक अली चिश्ती, शेख बहादुर, एडवोकेट फ़रातुन निशा, आरज़ू अंसारी, फरीदा शेख, मास्टर मुन्ना खान, नईम टेलर, अकील अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन दिव्य प्रहार झालावाड़ पुलिस की बड़ी कार्यवाही

-भू-माफियाओं में एवं नशा तस्करों में मचा हड़कंप

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। पुलिस विभाग के द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन दिव्य प्रहार' के तहत नशे के सौदागरों के खिलाफ सबसे बड़ी कार्यवाही की। तस्करों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई करीब 125 करोड़ की संपत्ति पर ताला जड़ दिया है।जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में चलाए गए "ऑपरेशन दिव्य प्रहार" के तहत नशा तस्करी से कमाई गई करीब 125 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों को स्थायी रूप से फ्रीज कर दिया गया है। इस कार्रवाई में लग्जरी मकान, पेट्रोल पंप, कृषि भूमि, कॉमर्शियल प्लॉट और गाड़ियां तक शामिल हैं। पूरी ऑपरेशन के लिए पुलिस ने लगभग तीन महीने की गोपनीय रणनीति और तैयारी की थी, जिसके बाद यह बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने तस्करों द्वारा काली कमाई से अर्जित की गई। 107 संपत्तियां को स्थाई रूप से फ्रीज कर दिया है।ऐसे में जिला पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में नशा माफियाओं पर अब तक की इतिहास की सबसे बड़ी आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक के रूप में देखा जा रहा है। इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने 5 दिसंबर 2025 को जानकारी देते हुए बताया कि झालावाड़ जिले भर में मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए ऑपरेशन दिव्य प्रहार की शुरुआत की गई थी। नशा माफिया के खिलाफ बड़ी आर्थिक सर्जिकल स्ट्राइक की है ऐसे में तस्करों के द्वारा अर्जित की गई काली कमाई को जड़ से खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि जिलेभर के मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ पुलिस की MOB शाखा लगातार पिछले कई महीनों से डाटाबेस तैयार कर रही थी। इसके लिए पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई थी। MOB टीम द्वारा सबसे पहले मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त आरोपियों की आय से अर्जित की गई संपत्तियों का चिह्नीकरण किया गया। बाद में उन संपत्तियों का बाजार मूल्य से आंकलन कर मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की गई।

IP।IT एनडीपीएस एक्ट के तहत झालावाड़ में पहली कार्यवाही-

नशा तस्कर को निरुद्ध कर जेल भेजा, उन्होंने बताया कि 4 महीने में पुलिस ने 78 मुकदमे दर्ज कर ऑपरेशन दिव्य प्रहार के तहत 128 आरोपियों को गिरफ्तार किया।वहीं इस अभियान के तहत नशे की कमाई से अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर बेशकीमती सरकारी भूमि व वन भूमि को भी अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत गिरफ्तार किए गए नशे के सौदागरों के द्वारा अवैध मादक पदार्थ जिसमे 3 किलो 418 ग्राम, अफीम 4 किलो 783 ग्राम, डोडा चुरा 484 किलो, 51 डोडा चूरा चरस 482 ग्राम, एमडीएमए 62।21 ग्राम बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा तस्करों की फ्रिज की गई संपत्तियों में 29 मकान दो दुकान, एक प्लांट, पेट्रोल पंप, 16 मोटरसाइकिल 10 ट्रक कंटेनर को जप्त किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ रुपए है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के जन्मदिन पर 104 यूनिट रक्तदान

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र से सांसद और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के जन्मदिन के अवसर पर किशोरपुरा ईदगाह में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन एहसान अंसारी ओर जीशान कड़क के द्वारा किया गया जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित भी किया गया। एहसान अंसारी ने बताया कि लोगों के द्वारा डोनेट किया गया खून किसी बीमार की जान बचा सकता हे। सभी स्वस्थ व्यक्ति को छह महीने में एक बार रक्तदान करना चाहिए, ताकि शरीर भी स्वस्थ रह सके। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के जन्मदिन पर आयोजित शिविर में 104 यूनिट रक्तदान किया गया।

रामगंज मंडी के वरिष्ठ पत्रकार साबिर भाई उमराह से लौटे

डॉक्टर तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी के वरिष्ठ पत्रकार साबिर भाई मक्का मदीना से उमराह कर रामगंजमंडी लौटे वरिष्ठ पत्रकार साबिर खान का नगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन बाबेल, कांग्रेस नेता विजय गौतम, नूर मोहम्मद और अदनान अली ने साफा व माला पहनाकर किया स्वागत किया । राम साबिरभ मक्का मदीना पहुंच कर खाना काबा उमराह किया और अपने वतन हिंदुस्तान के लिए एवं हिंदुस्तान वासियों के लिए अमन चैन की दुआएं मांगी, हिंदुस्तान हमेशा तरक्की करें और आपस में मोहब्बत आपस में भाईचारा हमेशा कायम रहे दुआ मांगी।

गृह रक्षा संगठन की 63वीं वर्षगांठ पर जिले में हर्षोल्लास से मनाया गया स्थापना दिवस

बारां (रॉयल पत्रिका)। गृह रक्षा संगठन की स्थापना की 63वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शनिवार को गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, बारां में 63वां स्थापना दिवस समारोह पूर्ण हर्षोल्लास एवं गरिमामय माहौल में मनाया गया। मुख्य समारोह की शुरुआत सहायक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके बाद निदेशालय गृह रक्षा राजस्थान, जयपुर से प्राप्त महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, भारत सरकार के गृह सचिव गोविन्द मोहन, राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, गृह रक्षा एवं जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराडी, तथा महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा राजस्थान मालिनी अग्रवाल सहित विभिन्न विशिष्टजनों के संदेश पढ़कर सुनाए गए। अपने संबोधन में सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने गृह रक्षा स्वयंसेवकों के निस्वार्थ सेवाभाव, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं आपदा राहत कार्यों में उनके अद्वितीय योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में होमगार्ड स्वयंसेवकों और आरक्षी बिरदीचंद के नेतृत्व में आकर्षक परेड का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अनुशासन, कौशल और शौर्य का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह के दौरान वर्षभर उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में केन्द्र द्वारा पिछले दिनों कबड्डी, दौड़, रस्साकशी एवं यातायात हेलमेट जागरूकता रैली जैसे विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर महानिदेशक, गृह रक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा कमाण्डेन्ट सीमा पारीक को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए 'महानिदेशक डिस्क' एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। समारोह में विभागीय अधिकारी, आमजन एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। केन्द्र प्रमुख ने सभी स्वयंसेवकों एवं उनके परिवारों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संगठन के आदर्शों पर चलते हुए समाज सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया।

रात्रि चौपाल जनसुनवाई: दीगोदपार में जिला प्रशासन ने सुनी समस्याएं

-कई मामलों का हुआ मौके पर निस्तारण

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने शुक्रवार को किशनगंज पंचायत समिति की दीगोदपार ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल का आयोजन किया। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। चौपाल में कुल 56 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से कई का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु भी मौजूद रहे।

साफ-सफाई, फसल खराबा, नेटवर्क व पेयजल मुख्य मुद्दे रहे-

ग्रामीणों ने चौपाल में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था, फसल खराबे का मुआवजा, मोबाइल नेटवर्क की समस्या, हैंडपंप मोटर, तथा पेयजल आपूर्ति में सुधार जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए। इसके अलावा अतिक्रमण को हटाने, रास्तों की मरम्मत, बिजली सप्लाई, और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों पर भी आवेदन दिए गए।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश-

जिला कलक्टर तोमर ने सभी विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र व प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को बिना विलंब समाधान करना है। इस दौरान कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को हाथों-हाथ दिशा-निर्देश जारी किए गए।

ग्रामीणों ने जताया संतोष-

रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाएं, किसान एवं बुजुर्ग भी शामिल हुए। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन द्वारा समस्याएं सुनने और तत्काल कार्रवाई करने के प्रयासों की सराहना की।

जिला स्तरीय अधिकारी रहे मौजूद-

चौपाल में जिले के सभी जिला स्तरीय अधिकारी, पंचायत समिति के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न विकास योजनाओं व सरकारी सेवाओं की जानकारी भी दी। रात्रि चौपाल देर शाम तक चली, जिसमें प्रशासन ने जनसमस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समाधान का आश्वासन दिया।

जागरूकता शपथ का उत्साह चरम पर राजकीय विद्यालयों में हजारों विद्यार्थियों ने ली एक साथ शपथ

-विद्यार्थियों ने अभिभावकों को भी जागरूक करने का लिया संकल्प
-ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों तरीकों से नागरिक ले रहे हैं शपथ

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। उपभोक्ता अधिकारों को जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील द्वारा चलाया जा रहा 30 दिवसीय 'कंज्यूमर वॉइस न्यायोत्सव' प्रभावी परिणाम दे रहा है। न्यायोत्सव के तहत ली जा रही उपभोक्ता जागरूकता शपथ के प्रति जिले में उत्साह चरम पर है। आयोग अध्यक्ष मील ने बताया कि शनिवार को जिले के राजकीय विद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों ने एक साथ उपभोक्ता जागरूकता शपथ ली। विद्यार्थियों ने हर खरीद पर बिल लेने की आदत विकसित करने, मानक चिन्हित उत्पादों की पहचान और गलत व्यापार, कार्य व्यवहार की स्थिति में आयोग से न्याय पाने की प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने की शपथ ली। विद्यार्थियों ने यह जागरूकता अपने अभिभावकों में भी विकसित करने व राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 1915 के प्रति भी जागरूकता की अलख जगाने का संकल्प लिया।

गुरु-शिष्यों ने एक साथ ली शपथ-

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा के निर्देशन में अनूठी पहल यह देखने को मिली कि जागरूकता शपथ शिक्षकों और विद्यार्थियों यानी गुरु-शिष्यों ने एक साथ ली। शपथ की खास बात यह रही कि इसमें संविधान को साक्षी माना गया। गौरतलब है कि कंज्यूमर्स वॉइस न्यायोत्सव के तहत जिले में एक लाख से अधिक लोगों को शपथ दिलवाने का लक्ष्य रखा गया था, जो कि महज 13 दिवस में ही पूर्ण होने के करीब है। आयोग द्वारा जारी किए गए क्यूआर कोड एवं लिंक पर भी जाकर कोई भी व्यक्ति उपभोक्ता जागरूकता की शपथ लेकर ऑनलाइन शपथ प्रमाण पत्र डाउनलोड कर सकता है।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय सुकेत में संजू मीणा ने प्रिंसिपल का पदभार ग्रहण किया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेतम राजकीय माध्यमिक विद्यालय में प्रिंसिपल संजू मीणा ने प्रिंसिपल क पदभार ग्रहण किया इस मौके पर एसडीएमसी मेंबर डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद भूतपूर्व उप प्रधान सुनीगौतम भूतपूर्व सरपंच मनोहर शर्मा मेंबर फिरोज मंसूरी चोपड़ा जी मेहरा जी मास्टर साहब विष्णु प्रसाद कोहली आदि लग उपस्थित रहे। सभी एसडीएम सी मेंबर का परिचय कराया। प्रिंसिपल संजू मीणा ने बताया कि स्कूल के बाउंड्री वॉल के अंदर कैमरे लगे हुए हैं जिनको शरारती तत्वों द्वारा तोड़ दिया गया है और विद्यालय के अंदर छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय एवं मूत्रालय की बहुत बड़ी कमी है। इसको और अधिक मात्रा में बनाया जए जिससे छात्रों छात्रों लाइन लगाना पड़ती है । स्कूल की बाउंड्रीवल के अंदर कुछ लोगों ने अतिक्रमण करके अपने घर बना लिए जो स्कूल के क्लासों के बिल्कुल करीबहै इससे दिन भर वहां रहने वालों का आना जाना लगा रहता है एवं स्कूल के अंदर पौधा लगाएं गए थे। वहां सब नष्ट हो गए हैं। स्कूल बवंडरी वाल का गेट पर लगा ताला भी कई बार तोड़ दिया गया है यह सभी बिंदु पर विचार विमर्श किया गया है। सुनील गौतम ने कहा कि सभी समस्याओं को हल कर वाया ने की कार्रवाई करेगे ।

अंता नवनियुक्त पुलिस उप अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह हाड़ा का स्वागत किया

अंता (रॉयल पत्रिका)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के जिला युवा कार्यक्रम सलाहकार सदस्य अताउल्ला खान बालाखेड़ा ने अंता उप अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पुलिस उप अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह हाडा को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

गीतांजली हॉस्पिटल की डॉ. परिस्तिश कामदार, राष्ट्रीय संवेदना पुरस्कार से सम्मानित

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। मनोचिकित्सकों के सबसे बड़े संगठन इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकियाट्री (आईपीपीआई) के 26वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, उदयपुर के मनोचिकित्सा विभाग कि डॉ. परिस्तिश कामदार को प्रतिष्ठित 'संवेदना महिला पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह शोध पत्र किशोरों के लिए स्कूलों के कोर्स में भावनात्मक—व्यवहारिक समस्याएँ, दुर्व्यवहार, तनाव और आत्मसम्मान के मानसिक-जनसांख्यिकीय निर्धारक: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन के लिए प्रस्तुत किया गया। यह शोध पत्र वरिष्ठ मनोचिकित्सक एवं मार्गदर्शक डॉ. जितेन्द्र जींगर, डॉ. मनु शर्मा, डॉ. अंजलि शर्मा, डॉ. परिस्तिश कामदार, डॉ. छायाँक आचार्य तथा डॉ. आदित्य बोराते की संयुक्त टीम द्वारा तैयार किया गया था। शोध में पाया गया कि किशोरों में शारीरिक मानसिक दुर्व्यवहार, तनाव और कम आत्मसम्मान का स्तर उनके सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि, परिवार के प्रकार, माता-पिता की शिक्षा और आय जैसे कारकों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह अध्ययन किशोर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नीति-निर्माण और स्कूलों के पाठ्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करता है। गीतांजली हॉस्पिटल के डीन डॉ. संगीता गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह पुरस्कार न केवल डॉ. परिस्तिशा कामदार की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे उदयपुर और राजस्थान के मनोचिकित्सा जगत के लिए गौरव की बात है।

राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान का संभागीय सम्मेलन संपन्न

-400 से अधिक सेवानिवृत पुलिसकर्मियों ने लिया सहभाग पुलिस कल्याण बोर्ड गठन की मांग जोरदार

शब्बीर हुसैन

किशनगंज (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान जिला बारां द्वारा संभाग स्तरीय स्नेहमिलन एवं सम्मान समारोह शनिवार को भारत माता कॉलेज, किशनगंज में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह में हाड़ौती संभाग से 400 से अधिक सेवानिवृत पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बारां के 99 वर्षीय पूर्व विधायक शिवनारायण नागर, 1967 के पूर्व विधायक नंदलाल मीणा, 1972 के पूर्व विधायक रामगोपाल जारवाल, वर्तमान विधायक डॉ. ललित मीणा तथा पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष नवनीत महर्षि ने की। अति विशिष्ट अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटा विजय स्वर्णकार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बारां कालूलाल वर्मा, प्रदेश सचिव सुखदेव व्यास, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पी. पी. गौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र दानोदिया, चमनलाल मीणा, पूर्व एडीएम बारां रामप्रसाद मीणा, पेंशनर समाज जिलाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नंदलाल पवन, घनश्याम शर्मा, नरेंद्र कासठ, अजय भार्गव, डीएसपी अनीश अहमद, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ललिता लोधा एवं संभागीय उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा,संस्थान के कोटा जिलाध्यक्ष तेजराज सिंह, झालावाड़ जिलाध्यक्ष मुबारिक खान, बूंदी जिलाध्यक्ष प्रेमचंद गौचर सम्भागीय प्रवक्ता इस्लाम अली मौजूद रहे। अतिथियों का कॉलेज पहुंचने पर बैंड-बाजे, पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

पुलिस कल्याण बोर्ड गठन की उठी मांग-

अपने संबोधन में संस्थान के प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला संरक्षक डॉ. मजीद मलिक कमांडो ने प्रदेश में सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर पुलिस कल्याण बोर्ड का गठन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर मुख्य अतिथि विधायक डॉ. ललित मीणा ने आश्वस्त किया कि वे विधानसभा में इस मांग को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने संस्थान के कार्यों की सराहना की और कोटा, बूंदी, झालावाड़ व बारां जिलों से आए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ सदस्यों एवं विशिष्ट प्रतिभाओं का सम्मान-

समारोह में 80 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ सदस्यों बिरधीचंद, अली मोहम्मद, राधाकिशन मीणा, हामिद अली, सुल्तान खान, जीवनलाल यादव, गनी मोहम्मद आदि को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही 1986 बैच के पुलिस अधिकारी डॉ. मजीद मलिक कमांडो, सत्यनारायण सिंह, लक्ष्मीनारायण, कुलदीप सिंह, लक्ष्मण सिंह, रौनक अली, नंदसिंह, छीतरलाल आदि को सम्मान प्रदान किया गया। विशेष उपलब्धियों के लिए पूर्व पुलिस अधिकारी खजान सिंह (एशिया कप पदक विजेता), साहित्यकार सुनील शर्मा, शिक्षाविद ए. जी. मिर्जा, कवि बाबू बंजारा, सीए मुस्सवीर खान, एडवोकेट अशोक बादल, गुड्डू धनवां, लोक कलाकार बाबूलाल सुमन, समाजसेवी शेख बहादुर तथा खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु डॉ. अरमान मलिक को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन-

समारोह का सफल संचालन सुनील शर्मा ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में जिलाध्यक्ष भारत सिंह ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनभागीदारी से चलने वाला एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन है "स्वच्छता अभियान"- राठौड़

-पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने चूरू नगरपरिषद मुख्यालय स्थित पंखा सर्किल पर सार्वजनिक शौचालय का किया लोकार्पण, घर—घर कचरा संग्रहण हेतु 35 ऑटो टिपरों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

चूरू (रॉयल पत्रिका)। नगरपरिषद मुख्यालय स्थित पंखा सर्किल पर बुधवार को पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी चन्दनमल बहड़ सर्किल के पास चूरू नगरपरिषद द्वारा 34 लाख की लागत से नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा घर—घर कचरा संग्रहण हेतु 35 नए ऑटो टिपरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि नगरपरिषद द्वारा शहरवासियों की सुविधा एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए लगातार जनहित के कार्य किए जा रहे हैं। नए ऑटो टिपर और सार्वजनिक शौचालय की सुविधा से स्वच्छता अभियान को नई गति मिलेगी तथा शहर का पर्यावरण और भी बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को साकार करते हुए हम स्वच्छ, स्वस्थ व सुंदर चूरू बनाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने जा रहे है और इन दो वर्षो में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से चलने वाला एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन है। उन्होंने कहा कि नगरपरिषद की इस पहल से चूरू शहर स्वच्छता की दिशा में नई मिसाल कायम करेगा। चूरू वासी शहर को स्वच्छ रखने में प्रत्येक नागरिक आगे आए और शहर में कचरा पृथकीकरण और स्वच्छता बनाए रखने में पूरा सहयोग दें।चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि शहर के विकास के लिए स्वच्छता सबसे पहला कदम है। नए ऑटो टिपरों के आने से घर–घर कचरा संग्रहण व्यवस्था और सुदृढ़ होगी, जिससे शहर का वातावरण स्वच्छ व स्वस्थ रहेगा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि प्रशासन शहरों की सभी आवश्यक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आधुनिक सार्वजनिक शौचालय और कचरा संग्रहण व्यवस्था के लिए नए ऑटो टिपरों से जनसुविधाएं और बेहतर होंगी। नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह ने बताया कि चूरू नगरपरिषद शहर में स्वच्छता और सफाई व्यवस्था को नई तकनीक और बेहतर प्रबंधन के साथ आगे बढ़ा रही है। इस दौरान जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, प्रधान दीपचंद राहड़, बसंत शर्मा, चंद्राराम गुरी, भास्कर शर्मा, विमला गढ़वाल, सुशील लाटा, अभिषेक चोटिया, नरेन्द्र काछवाल, विक्रम कोटवाद, मोहन गढ़वाल, सुरेश सारस्वत, धर्मेंद्र राकसिया, श्रीराम पीपलवा, पूर्णिमा यादव, सुनील, इरफान खान, सत्तार खान, नरेन्द्र कंवल, अख्तर खान, महेश मिश्रा, आकाश सैनी, सुरेश मिश्रा सहित शहरवासी मौजूद रहे। संचालन रवि दाधीच ने किया।

दुधवा खारा ग्राम पंचायत भवन में नि:शुल्क जांच परामर्श शिविर आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती दुधवा खारा पंचायत में नि शुल्क जांच परामर्श शिविर आयोजित धर्मनाथ क्लिनिक पंखा रोड चूरू के द्वारा लगाया गया। जिसमें सैकड़ो रोगियों ने लाभ लिया और शिविर में सभी रोगियों को दवाइयां फ्री दी गई। जिसमें डॉक्टर अरविंद सैनी ने अपनी सेवाएं दी और जन सेवा विकास समिति दुधवा खारा द्वारा सहयोग किया गया एवं व्यवस्था दी गई। शिविर में अस्थमा और सीओपीडी रोगियों की फेफड़ों की जांच स्पाइस मशीन द्वारा की गई जिसमें सहयोगी भूमिका योगेश, राहुल,बंटी,जुबेर,आवेश एडवोकेट, प्रवीण शर्मा ने अपनी सेवाएं दी। और दुधवा खारा स्वास्थ्य हरित मंच ने सहयोग किया। केम्प में ग्राम पंचायत से समिति अध्यक्ष डॉ. मुस्तकीम अली शेख,कोषाध्यक्ष राजेंद्र बुडानिया, ओमप्रकाश कस्वा, रोशन खा, सुरेश कस्वा,महावीर प्रसाद, आदि ने आभार व्यक्त किया।

6 माह के शिशु की भोजन नली में फंसा कड़े का झूमर निकाला

-नन्हें बच्चे को मिली नई ज़िंदगी

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर के कान, नाक एवं गला रोग विभाग (ENT) की विशेषज्ञ टीम ने एक 6 माह के शिशु की भोजन नली में फंसे कड़े के झूमर (Foreign Body) को सफलतापूर्वक निकालकर बच्चे को नया जीवन प्रदान किया। यह अत्यंत जटिल व संवेदनशील सर्जरी थी, जिसमें टीम ने उच्च दक्षता और तत्परता का परिचय दिया। इस सफल ऑपरेशन में ENT विभाग की डॉ. अनामिका, डॉ. हिमांशु जोशी व टीम, एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. स्वप्निल, तथा PICU के डॉ. रामकेश मीणा का विशेष योगदान रहा। OT स्टाफ मयंक व उनकी टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिशु को सांस लेने में समस्या और दूध न पी पाने पर पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तुरंत गीतांजली हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। यहाँ जांच में पता चला कि बच्चे की भोजन नली में धातु का झूमर फंसा हुआ है, जो श्वासनली पर भी दबाव डाल रहा था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ENT सर्जन डॉ. अनामिका को तत्काल बुलाया गया। बच्चे को डॉ. रामकेश मीणा के निरीक्षण में PICU में भर्ती कर आवश्यक जांचें की गईं। वस्तु की पुष्टि होने पर तुरंत Rigid Esophagoscopy (दूरबीन द्वारा ऑपरेशन) करने का निर्णय लिया गया। कुछ ही समय में ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ और बच्चे की भोजन नली से कड़े का झूमर सुरक्षित निकाल लिया गया। अब बच्चा पूर्ण रूप से सुरक्षित है और स्वस्थ है।

अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण संदेश-
चिकित्सकों ने अपील की है कि छोटे बच्चों को धातु के झुमके, छोटे खिलौने, सिक्के, बैटरी और अन्य छोटी वस्तुओं से दूर रखें। इन्हें निगलने से जीवन के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है। गीतांजली हॉस्पिटल एक टर्शरी केयर मल्टी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल है यहाँ के कान, नाक एवं गला रोग विभाग में सभी एडवांस तकनीके व संसाधन उपलब्ध हैं जिससे जटिल से जटिल समस्याओं का निवारण निरंतर रूप से किया जा रहा है। गीतांजली हॉस्पिटल पिछले 18 वर्षों से सतत रूप से हर प्रकार की उत्कृष्ट एवं विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है एवं जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाएं देता आया है।

लायंस क्लब चूरू और शंकरा हॉस्पिटल जयपुर द्वारा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

-स्व. सेठ विश्वनाथ जी झुंझुनुवाला की पुण्य स्मृति में 9 दिसम्बर को राम मंदिर, पुरानी सड़क, चूरू में लगेगा शिविर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। लायंस क्लब चूरू, मानव सेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, शंकरा हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन मंगलवार 9 दिसंबर, 2025 को श्रीराम मंदिर, पुरानी सड़क, चूरू में प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक करने जा रहा है। यह शिविर स्व. सेठ विश्वनाथ जी झुंझुनुवाला की पुण्य स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। शिविर प्रभारी सुनील रंजन टकणेत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस शिविर में शंकरा हॉस्पिटल, जयपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आँखों की सम्पूर्ण जांच की जाएगी एवम मोतियाबिंद के रोगियों को जयपुर ले जाकर ऑपरेशन किया जाएगा, रोगी के जयपुर आने जाने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने और समय पर पहुंचकर अपनी आँखों की जांच करवाने का आग्रह किया ।

बेहतरीन पुस्तक समीक्षा लिखने वाले विद्यार्थियों-शिक्षकों को किया सम्मानित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने पुस्तक अभिरूचि प्रतियोगिता में बेहतरीन पुस्तक समीक्षा लिखने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र व पुस्तकें भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पुस्तकालय अभिरूचि प्रतियोगिता शिक्षक वर्ग में जिला स्तर पर सरदाशहर ब्लॉक के राउमावि मेहरी प्राचार्य सुनील कुमार शर्मा प्रथम, सुजानगढ़ ब्लॉक के राउप्रावि नंबर 10 के अध्यापक पवन कुमार शर्मा द्वितीय व तारानगर ब्लॉक के राउमावि भाडंग के प्रधानाचार्य रामनिवास तृतीय स्थान पर रहे। इसी क्रम में विद्यार्थी वर्ग में जिला स्तर पर राउमावि बीरमसर की तनीशा प्रथम, राउमावि गाजुसर की द्रोपदी द्वितीय व सेठ जुहारमल सेठिया राउमावि चाड़वास की पूजा बावरी तृतीय स्थान पर रही। ब्लॉक स्तर पर बीदासर में पिन्टु घिंटाला द्वितीय, दिव्या मेघवाल तृतीय, रतनगढ़ ब्लॉक में की दिव्या शर्मा द्वितीय, श्रवण तृतीय, राजगढ़ ब्लॉक की विदुषी प्रथम, मोनिका द्वितीय व सेनू तृतीय, तारानगर ब्लॉक में अजय योगी प्रथम, प्रीति कुमारी द्वितीय व मोनिका तृतीय, सुजानगढ़ ब्लॉक में अंजलि प्रजापत प्रथम, इनाया पड़ियारा द्वितीय व शारदा तृतीय, चूरू ब्लॉक में सुष्मिता प्रथम, अभिषेक द्वितीय, देवेन्द्र तृतीय तथा सरदारशहर ब्लॉक में दीक्षा प्रथम, गुंजन शर्मा द्वितीय स्थान पर सम्मानित हुए।

सांचौर के नेहड़ क्षेत्र में भवातड़ा सूखा बंदरगाह बनाने की कवायद तेज, युवाओं को रोजगार की उम्मीद जगी

-रणखार में 56 हजार बीघा खाली पड़ी सरकारी जमीन

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। नेहड़ क्षेत्र के भवताड़ा ग्राम पंचायत के राजस्व गांव रणखार में सूखा बंदरगाह बनाने की योजना को केंद्र सरकार के बाद राज्य सरकार की ओर से भी प्राथमिकता देने से विकास की दृष्टि से पिछड़े हुए क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित होने की उम्मीद जाग गई है यहां व्यापारिक दृष्टि से भी उम्मीदों को नए पंख लगा सकेंगे भवताड़ा में सूखा बंदरगाह बनने से रोजगार के साथ-साथ व्यापारिक दृष्टि से क्षेत्र का विकास होगा। राज्य में बंदरगाह नहीं होने की वजह से देश और विदेश से मंगाया जाने वाला लदान गुजरात से सड़क से परिवहन होने की दशा में महंगा पड़ता है वही सुख बंदरगाह बनने पर व्यापार के लिहाज से इस क्षेत्र में बड़ी मदद मिल सकेगी। राजस्थान के निकटतम गुजरात का कांडला बंदरगाह है। जहां से राज्य में उत्पादित वस्तुओं व आवश्यक वस्तुओं का आयात निर्यात किया जाता है। भवातड़ा बंदरगाह विकसित होने की दशा में सूखा बंदरगाह के रूप में विकसित होने वाला यह देश का प्रथम बंदरगाह बन सकता है वहीं दूसरी और पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर,जैसलमेर में कच्चे तेल व गैस की संभावनाओं के साथ-साथ जालौर जिले के बाड़मेर,सांचौर बेसिन में गैस पर तेल की संभावनाओं की वजह से बहुत बड़ा बंदरगाह से व्यापार की नई उम्मीद के रूप में देखा जा रहा है। वहीं जिले में उत्पादित होने वाला ग्रेनाइट, जीरा,गवार, बाजार का निर्यात करने के लिए यह बंदरगाह का आसानी से सुलभ हो सकता है कम खर्चे में परिवहन के रूप में माल की सप्लाई की जा सकती है। इस क्षेत्र में सरकारी 56 हजार बीघा जमीन जो दलदल के रूप में पडती है जिसका कोई उपयोग नहीं है जिस पर किसी प्रकार की ना तो कोई आबादी है,और नहीं किसी प्रकार का कब्जा है। इस भूमि पर लवणीय पदार्थ होने के साथ लूनी नदी के बहाव क्षेत्र में आने के कारण उक्त भू भाग दलदल में होने से इस भू भाग को किसी विशेष कार्य में नहीं लिया जा सकता है वही लूनी नदी के प्रवाह क्षेत्र में आने के कारण यह भू भाग कच्छ रन से सीधा अरब सागर में जाकर मिलता है इसी रास्ते को 500 मीटर चौड़ी 20 मीटर गहरी नहर के रूप में विकसित कर भवातड़ा के रण खार में बंदरगाह का मुख्य स्टेशन निर्मित किया जाएगा।

गीतांजली हॉस्पिटल में फेफड़ों के कैंसर का निदान एवं उपचार पर हुआ विशेष संगोष्ठी का आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुर में आज गीतांजली कैंसर सेंटर और डिपार्टमेंट ऑफ रेस्पिरेटरी एंड पल्मोनरी मेडिसिन द्वारा "फेफड़ों के कैंसर का निदान एवं उपचार" विषय पर एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में फेफड़ों के कैंसर से जुड़े विभिन्न पहलुओं—जैसे निदान की चुनौतियाँ, EBUS की भूमिका, आधुनिक उपचार पद्धतियाँ, सर्जिकल अप्रोचेस और रेडियोथेरेपी के महत्व—पर विशेषज्ञ वक्ताओं डॉ. गौरव छाबड़ा, डॉ. अमित गुप्ता, डॉ. रेनू मिश्रा, डॉ. आशीष जखेटीया और डॉ. रमेश पुरोहित ने विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित डॉक्टरों और रेसिडेंट्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. (प्रो.) हरप्रीत सिंह ने बताया कि ऐसी शैक्षणिक गतिविधियाँ डॉक्टरों को नवीनतम चिकित्सा तकनीकों से जोड़ती हैं और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। संगोष्ठी में जीएमसीएच के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य, पीजी, रेसिडेंट और जूनियर डॉक्टर उपस्थित रहे।

सांचौर में स्मैक और एमडी का बढ़ता जाल

-पुलिस प्रशासन की ढीली पकड़ से नशा कारोबारियों के हौसले बुलंद

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर क्षेत्र सहित आसपास के इलाके पिछले कुछ वर्षों में स्मैक और एमडी जैसे घातक नशों के बढ़ते कारोबार का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि शहर के कई प्रमुख गलियों और चौराहों पर यह खतरनाक नशा आसानी से उपलब्ध हो जाता है। पुलिस और प्रशासन को जानकारी होने के बावजूद भी प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाने से नशे के कारोबारी के हौसले बुलंद है जिसका सीधा असर युवाओं पर पड़ रहा है पिछले 3 वर्षों में सैकड़ो युवा इस नशे की चपेट में आ चुके हैं। 2018 व 2021 में पुलिस की ओर से नशा जागरूकता अभियान चलाया गया था लेकिन इसके सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आए इसके उलट शहर से शुरू हुआ अवैध नशे का कारोबार अब गांव की गलियों तक पहुंच गया है हाल के 3 वर्षों में गांव में रहने वाले युवा सबसे अधिक नशे की गिरफ्त में आए हैं पुलिस ने गांव में ही मुखबिरी के आधार पर कई कार्रवाई की है लेकिन नशे की सप्लाई के बड़े ठिकाना तक पहुंचने में असफल रही है पिछले तीन वर्षों में लाखों रुपए की स्मैक और एमडी बरामद की है पुलिस द्वारा जबकि कई आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। लेकिन जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि इस नशे की सप्लाई गुजरात महाराष्ट्र मुंबई और प्रतापगढ़ जैसे शहरों से होती हैं जांच में सामने आया कि स्थानीय स्तर पर नशे की छोटी-छोटी खेप करोड़ों में बेचकर युवाओं को इस दलदल में धकेला जा रहा है पुलिस को इस नेटवर्क की जानकारी होने के बावजूद भी बड़े सप्लायर तक पहुंचने में सफलता प्राप्त नहीं हुई है आगे भी युवाओं को इस खतरनाक बीमारी में स्मैक और एमडी के सप्लायर धकेलने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं जबकि समय रहते बड़े सप्लायर तक पुलिस न पहुंच पाई तो न जाने कितने युवा इस कारोबार में लिफ्ट हो चुके होंगे। समय रहते जागरूकता अभियान चलाकर नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई पुलिस द्वारा नहीं होती है तो अंजाम युवाओं के लिए खतरनाक साबित होगा।

रायला में थानाधिकारी मूलचंद ने संभाला कार्यभार

-बोले- 'आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर' ही मेरी प्राथमिकता

रायला/बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। पुलिस निरीक्षक मूलचंद ने गुरुवार को रायला पुलिस थाने के नए थानाधिकारी के रूप में विधिवत कार्यभार संभाल लिया है। इससे पूर्व वे बनेड़ा थाने में पदस्थापित थे, जहां से उनका स्थानांतरण रायला किया गया है। पदभार ग्रहण करने के दौरान जिला प्रभारी सोनू खान कायमखानी और रायला उप सरपंच आरिफ बिसायती ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया।

अपराधियों को सख्त संदेश-
कुर्सी संभालते ही नए थानाधिकारी मूलचंद ने अपने इरादे जाहिर कर दिए। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता "आमजन का भरोसा जीतना और अपराधियों में कानून का भय कायम रखना" होगी। उन्होंने साफ किया कि थाने में फरियाद लेकर आने वाले हर व्यक्ति की समस्या का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा और काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ट्रैफिक और युवा अपराध पर नजर-
थानाधिकारी ने क्षेत्र की चुनौतियों पर बात करते हुए कहा कि बढ़ते ट्रैफिक दबाव, युवाओं में पनप रही अपराध प्रवृत्ति और गांवों में होने वाली छोटी-मोटी आपराधिक गतिविधियों पर उनकी विशेष नजर रहेगी। उन्होंने कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जनसहभागिता (Public Participation) बढ़ाने पर जोर दिया। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि नए थानाधिकारी के अनुभव से क्षेत्र में शांति व्यवस्था सुदृढ़ होगी और लंबित मामलों का निस्तारण तेजी से होगा।

वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर्ड किया गया

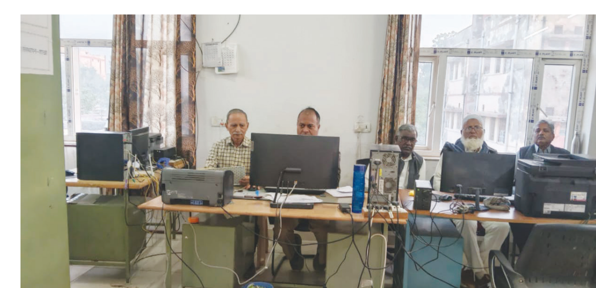

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी कैलाश शर्मा के साथ राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा नॉमिनेटेड अत्ताउल्लाह हक के चुरू पहुंचने पर और चूरू की तरफ से वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष आजम अली खान व रिटायर्ड एसबीआई बैंक अधिकारी डॉ. मुस्तकीम शेख और शिक्षाविद हाजी युसूफ अली खान चौहान, नियमित काफी दिनों से वक्फ की संपत्तियों को रजिस्टर्ड करने के लिए अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आपने बताया कि अभी तक जिले भर से लगभग 300- 350 संपत्तियों के रजिस्टर्ड के लिए आवेदन-पत्र आए हुए हैं। जो उम्मीद पोर्टल पर चढ़ाए दिए गये हैं। जिसमें मस्जिद, मदरसा, खानकाए,दरगाह,कब्रिस्तान,आदि संपत्तियों का विवरण है। अल्पसंख्यक समाज ने आए हुए अधिकारियों और उन सक्षम लोगों का जिन्होंने वक्फ संपत्तियां के संरक्षण के लिए अपना कीमती समय दिया और सहयोग किया उन सभी का आभार व्यक्त किया।

दाई हलीमा हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका) । प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के अंतर्गत मंगलवार 09 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक दाई हलीमा मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल, भीलवाड़ा में गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क जाँच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा पूर्णतः निःशुल्क जाँच एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर में आने वाली गर्भवती महिलाओं को आवश्यकता के अनुसार मेडिसिन एवं पोषाहार किट भी निःशुल्क वितरित की जाएगी। यह आयोजन सोशल वेलफ़ेयर सोसाइटी, भीलवाड़ा के सौजन्य से किया जा रहा है।

पेंशनर्स 20 दिसंबर 2025 तक जमा करवाएं जीवन प्रमाण—पत्र

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राज्य सरकार ने राज्य पेंशनर्स के जीवन प्रमाण—पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 20 दिसम्बर 2025 निर्धारित की है। कोषाधिकारी प्रवीण कुमार सिंघल ने बताया कि चूरू जिले में जिन पेंशनर्स ने जीवन प्रमाण —पत्र अभी तक प्रस्तुत नहीं किया है, उनकी माह दिसंबर, 2025 की पेंशन विभाग द्वारा जारी नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि पेंशनर्स की सुविधा हेतु कोष एवं उपकोष कार्यालय में हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू की जा चुकी है। इसलिए पेंशनर्स अपनी सुविधा अनुसार ऑनलाइन अथवा कोष/उपकोष कार्यालय में उपस्थित होकर जीवन प्रमाण पत्र अद्यतन करवा सकते हैं। कोषाधिकारी ने सभी पेंशनर्स से अपील की है कि पेंशनर्स 20 दिसंबर 2025 तक अपना जीवन प्रमाण—पत्र अनिवार्य रूप से अद्यतन करवाएं ताकि उन्हें पेंशन भुगतान में कोई विलंब नहीं हो।

होमगार्ड ने स्थापना दिवस मनाया

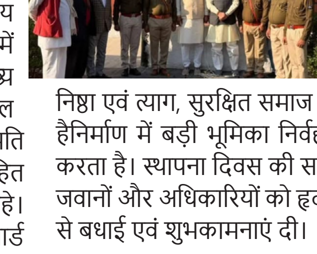

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अनुशासन, समर्पण और सेवा भावना के प्रतीक "होमगार्ड्स" के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित गृह रक्षा प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारण एवं चूरू पंचायत समिति प्रधान दीपचंद राहड़ सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने कहा होमगार्ड निष्ठा एवं त्याग, सुरक्षित समाज के हैनिर्माण में बड़ी भूमिका निर्वहन करता है। स्थापना दिवस की सभी जवानों और अधिकारियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आवश्यकता
जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

बरेली में बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट का ब्रेक

-याचिकाकर्ता को दी अंतरिम राहत; HC जाने को कहा

बरेली। यूपी के बरेली के सूफी टोला में गुड मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत बरातघरों पर पिछले दो दिन से चल रहा बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) के बुलडोजर ऐक्शन पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन बीडीए की टीम ध्वस्तीकरण के लिए पहुंची थी लेकिन याचिकाकर्ताओं की ओर से जैसे ही वकील ने अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश दिखाए, बुलडोजर सहित टीम वापस हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर करने को कहा है। इसके साथ ही उन्हें सात दिन की अंतरिम राहत भी दी है। बारात घर के संचालकों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। गुरुवार को फरहत जहां की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि हम याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहते लेकिन आर्टिकल 226 के तहत याचिकाकर्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके साथ कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता हाई कोर्ट की सम्बन्धित बेंच में त्वरित सुनवाई की अपील दायर करते समय इस बात का उल्लेख कर सकते हैं कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पहले ही प्रारंभ की जा चुकी है। याचिका में जानकारी दी गई है कि निर्माण का कुछ हिस्सा ध्वस्त भी कर दिया गया है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सात दिन की अंतरिम सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक फिलहाल बीडीए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं कर पाएगा। आदेश देखने के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई रोक दी और बुलडोजर वापस कर दिए।

बरेली बवाल के बाद हुआ है ऐक्शन-

बरेली में पिछले 26 सितंबर को हुए बवाल के आरोपियों पर पुलिस की कार्रवाई के साथ ही अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर ऐक्शन भी चला है। बीडीए ने बुधवार को मौलाना तौकीर रजा के करीबी सूफी टोला निवासी सपा नेता सरफराज वली खां और राशिद खान के बारातघरों पर दूसरे दिन भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की थी। गुड मैरिज हॉल और एवान-ए-फरहत पर यह कार्रवाई की गई। इससे पहले एक शादी हॉल की छत पर लगे मोबाइल टॉवर को भी हटाने की कार्रवाई की गई। बुधवार शाम तक कथित अवैध निर्माण के काफी हिस्से को जमींदोज कर दिया गया था। वहीं, बीडीए उपाध्यक्ष डा. ए. मनिकंडन ने कहा था कि अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अरवा हनीन बनीं ऑक्सफॉर्ड यूनियन की पहली फिलिस्तीनी प्रेसिडेंट?

लंदन (एजेंसी)। यूनाइटेड किंगडम की प्रतिष्ठित छात्र संगठनों में शामिल ऑक्सफोर्ड यूनियन ने अपने 202 साल के इतिहास में पहली बार फिलिस्तीनी मूल की छात्रा को अध्यक्ष चुना है। अरवा हनीन एलराएस, जो सेंट एडमंड हॉल कॉलेज में दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र और राजनीति (PPE) की छात्रा हैं, 2026 के ट्रिनिटी टर्म में यूनियन की अध्यक्षता संभालेंगी।

150 ज्यादा फर्स्ट-प्रेफ़रेंस वोट हासिल-

एलराएस ने अपने प्रतिद्वंद्वी लीसा बारकोवा से 150 ज्यादा फर्स्ट-प्रेफ़रेंस वोट हासिल किए। उन्हें कुल 757 वोट मिले, जबकि मतदान में कुल 1528 छात्रों ने हिस्सा लिया, जो पिछले साल की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक है।

पिता ने कही ये बात-

एलराएस इससे पहले लंदन में हुए pro-Palestinian प्रदर्शनों पर आधारित डॉक्युमेंट्री Heart of a Protest के निर्माण में भी जुड़ी रही हैं। उनके पिता मोहम्मद एलराएस ने लिंक्डइन पर लिखा, "अपनी बेटी पर बहुत गर्व है। जिसने ऑक्सफोर्ड यूनियन की पहली अरब महिला, पहली फिलिस्तीनी और पहली अल्जीरियाई अध्यक्ष के रूप में इतिहास रच दिया।"

क्या बोलीं अरवा हनीन?-

वहीं, अध्यक्ष चुने जाने के बाद एलराएस ने स्टूडेंट-रन यूनिवर्सिटी न्यूज़ वेबसाइट Oxford Student से कहा, "यूनियन के सदस्यों ने मुझ पर और मेरी टीम पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं बेहद आभारी हूं। मैं उन सभी का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मतभेदों को पीछे छोड़कर एक साझा विज़न के लिए साथ काम किया। मैं 2026 के ट्रिनिटी टर्म में इस सोसाइटी की सेवा करने की इंतेजार कर रही हूं।"

राजनीतिक समस्याओं पर फोकस-

एलराएस का चुनाव अभियान मुख्य रूप से यूनियन की आंतरिक राजनीतिक समस्याओं पर केंद्रित था, जिनके बारे में उनका कहना था कि इस टर्म में ये मुद्दे यूनियन को परिभाषित करने वाली बहसों को भी प्रभावित कर रहे हैं। वह वर्तमान में ऑक्सफोर्ड यूनियन की स्टैंडिंग कमेटी की सदस्य हैं और छात्रों के संगठन और एडवोकेसी के कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते कई हफ्तों से गिरावट का दौर जारी है

-हालांकि सोने के भंडार में तेजी दर्ज की गई है

नई दिल्ली । भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बीते एक हफ्ते में गिरावट आई है। देश के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनके मुताबिक 28 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.88 अरब डॉलर की गिरावट आई है और अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 686 अरब डॉलर रह गया है। 21 नवंबर को खत्म हुए सप्ताह में भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज की गई थी और यह 4.4 अरब डॉलर घटकर 688 अरब डॉलर रह गया था। अब लगातार दूसरे सप्ताह भी इसमें कमी दर्ज की गई है।

सोने के भंडार में तेजी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए) का है, जो 557 अरब डॉलर है। इसमें 3.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। हालांकि सोने के भंडार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसमें 1.6 अरब डॉलर की तेजी आई है और यह 105 अरब डॉलर पहुंच गया है। गौरतलब है कि इससे पहले 27 सितंबर 2024 को समाप्त समाप्त के दौरान अपना विदेशी मुद्रा भंडार $704.885 billion के रिकार्ड उच्चतम स्तर पर था।

एसडीआर में बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (SDR) में मामूली बढ़ोतरी हुई है। बीते सप्ताह के दौरान एसडीआर में 6.3 करोड़ डॉलर की मामूली बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर 18 अरब डॉलर का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी 1.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना आईएमएफ रिजर्व बढ़ कर4.7 अरब डॉलर का हो गया है।

आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट मामले में 7 साल की सजा

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके परिवार को एक बार फिर कानूनी झटका लगा है। आज़म खान के बेटे और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आज़म को दो पासपोर्ट रखने से जुड़े एक मामले में रामपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 7 साल कैद और 50,000 रुपये जुर्माने की सज़ा सुनाई है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला वर्ष 2019 में दर्ज किया गया था। बीजेपी के शहर विधायक आकाश सक्सेना ने अब्दुल्ला आज़म के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज कराया था। अब्दुल्ला आज़म पर दो अलग-अलग जन्मतिथि का इस्तेमाल करके दो पासपोर्ट बनवाने का आरोप था।

उन पर भारतीय दंड संहिता (IPC) की गंभीर धाराएं, जैसे 420 (धोखाधड़ी), 467 (मूल्यवान सुरक्षा की जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली दस्तावेज़ का उपयोग करना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी मामले में रामपुर की विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्दुल्ला आज़म को दोषी ठहराते हुए 7 साल की सज़ा और 50 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया।

पहले से ही जेल में हैं आज़म और अब्दुल्ला

अब्दुल्ला आज़म को यह सज़ा तब मिली है, जब वह पहले से ही अपने पिता आज़म खान के साथ रामपुर की जिला जेल में बंद हैं। पिता-पुत्र दोनों दो पैन कार्ड के मामले में कोर्ट से सज़ा मिलने के बाद जेल में कैद हैं। पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आज़म को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया और उन्हें सज़ा सुनाई गई।

तुर्की पाकिस्तान में लड़ाकू ड्रोन फैक्ट्री लगाएगा

-पांचवीं पीढ़ी के जेट प्रोग्राम पर भी होगा काम

इस्लामाबाद । तुर्की अपने लड़ाकू ड्रोन को पाकिस्तान में असेंबल करने की तैयारी कर रहा है। इस सिलसिले में पाकिस्तान के अंदर एक फैसिलिटी स्थापित करने पर बातचीत तेज हो गई है। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से इस बारे में जानकारी दी है। यह अंकारा की अपनी तेजी से बढ़ती डिफेंस इंडस्ट्री को नए मार्केट में फैलाने की कोशिश का हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार तुर्की एक्सपोर्ट के लिए मानवरहित हवाई वाहन को असेंबल करने के लिए पाकिस्तान में एक प्लांट खोलने का इरादा रखता है। इस प्रोजेक्ट में स्टेल्थ और लंबे समय तक चलने वाले ड्रोन प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अक्टूबर से बातचीत में काफी प्रगति हुई है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने ब्लूमबर्ग के सवालों पर टिप्पणी से मना कर दिया, जबकि पाकिस्तान के सूचना मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया है। यह संभावित सहयोग ऐसे समय में हो रहा है, जब तुर्की की डिफेंस और एयरोस्पेस इंडस्ट्री ने एक्सपोर्ट में अच्छी बढ़ोतरी देखी है।

तुर्की का रक्षा निर्यात 30 फीसदी बढ़ा-

तुर्की के रक्षा निर्यात के बारे में गुरुवार को जारी डेटा से पता चलता है कि जनवरी और नवम्बर के बीच एक्सपोर्ट पिछले साल इसी समय की तुलना में 30 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2025 में अभी एक महीना बाकी होने पर ही तुर्की के पिछले सालाना उच्च स्तर को पार कर चुका है। तुर्की की डिफेंस इंडस्ट्री (SSB) के हेड हलुक गोरगुन ने एक्स पर इन आंकड़ों की घोषणा की। तुर्की की सबसे बड़ी ड्रोन बनाने वाली कंपनी बायकर है जिसने अब तक लगभग 35 देशों को ड्रोन निर्यात किए हैं। इनका इस्तेमाल यूक्रेन के अलावा अजरबैजान और लीबिया में लड़ाई के दौरान किया गया है। बायकर में मालिकाना हक रखने वालों में सेल्कुक बायरकतर हैं, जो राष्ट्रपति रेचेप तैयार एर्दोगन के दामाद हैं। कंपनी की सफलता में एर्दोगन का भी योगदान है, जो विदेश यात्राओं के दौरान खुद बायकर ड्रोन को प्रमोट करते हैं। तुर्की और पाकिस्तान के बीच पहले से ही करीबी रक्षा संबंध हैं। अंकारा एक जॉइंट प्रोडक्शन समझौते के तहत पाकिस्तान की नेवी के लिए कॉर्वेट क्लास वॉरशिप बना रहा है। उसने पाकिस्तान के कई F-16 फाइटर जेट को मॉडर्न बनाया है। तुर्की के अधिकारियों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि अंकारा अब पाकिस्तान को भी अपने पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट प्रोग्राम कान (KAAN) में शामिल करने का इरादा रखता है।

मस्जिदों और मदरसों में भी लगें CCTV कैमरे

- भाजपा सांसद अरुण गोविल ने लोकसभा में उठाई सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा के शून्यकाल के दौरान मेरठ से बीजेपी सांसद अरुण गोविल ने मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि मस्जिदें और मदरसे बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं, इसलिए वहां भी सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। गोविल ने स्पष्ट किया कि उनका बयान किसी धर्म के विरोध में नहीं है, बल्कि देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

अरुण गोविल ने सदन में कहा कि आज देशभर में मंदिरों, चर्चों, गुरुद्वारों, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। ये कैमरे पारदर्शिता बढ़ाने, सुरक्षा मजबूत करने और अपराध नियंत्रण में काफी कारगर साबित हुए हैं। लेकिन मस्जिदों और मदरसों में अभी तक इस तरह की सुरक्षा व्यवस्था व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाई है, जबकि ये भी रोजमर्रा की गतिविधियों से जुड़े बड़े सार्वजनिक स्थल हैं।

मक्का और मदरसों का उदाहरण दिया

उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र स्थल सऊदी अरब के मक्का और वहां के मदरसों में भी सुरक्षा कारणों से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। गोविल ने सवाल उठाया कि जब मक्का जैसे पवित्र स्थल पर सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए यह व्यवस्था अपनाई जा सकती है, तो भारत में समान सुरक्षा मानकों को लागू करने में संकोच क्यों किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर वहां सुरक्षा प्राथमिकता है, तो भारत में भी यही सिद्धांत अपनाया जाना चाहिए।

समान राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की मांग

बीजेपी सांसद ने केंद्र सरकार से एक समान राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने की अपील की, जिसके तहत मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य किए जाएं, ठीक उसी तरह जैसे मंदिरों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में लगाए गए हैं। उनका कहना था कि इससे देश का राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र और अधिक मजबूत होगा। गोविल के इस बयान के बाद सुरक्षा मानकों को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। कुछ लोग इसे समान सुरक्षा नीति की दिशा में जरूरी कदम बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे विवादास्पद मुद्दा मान रहे हैं। हालांकि, अरुण गोविल अपने बयान पर कायम हैं और उनका कहना है कि सुरक्षा सबके लिए है और इससे किसी को भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली रैली में सर्वाधिक भागीदारी राजस्थान के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की रहेगी- डोटासरा

जयपुर । दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली तथा प्रदेश में चल रहे एसआईआर कार्यक्रम की समीक्षा को लेकर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर कांग्रेस विधायक, विधायक प्रत्याशियों, जिला प्रभारी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल रहे। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने निर्देश दिये कि सभी विधायक एवं जिलाध्यक्ष 08 दिसम्बर तक अपने-अपने क्षेत्रों से रैली में शामिल होने वाले वाहनों की संख्या, उनके नम्बर और वाहन कौन ले जा रहा है उसका नाम व मोबाईल नम्बर की सूची प्रदेश कांग्रेस वार रूम को प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों से मण्डल अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष अपना वाहन लेकर रैली में आवश्यक रूप से जायेंगे तथा जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी रैली में उपस्थिति दर्ज करवायें। उन्होंने कहा कि रैली में सर्वाधिक भागीदारी राजस्थान के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की रहेगी इस के लिए सभी लोग तैयारियों में जुट जायें। 09 दिसम्बर को कांग्रेस महासचिव संगठन के. सी. वेणुगोपाल प्रदेश कांग्रेस की बैठक लेंगे, उसमें रैलियों की तैयारी की समीक्षा होगी तथा प्रदेश कांग्रेस द्वारा रैली में भाग लेने के लिये जाने वाले सभी वाहनों की विधानसभावार सूची उन्हें सौंपी जायेगी। प्रदेश के दूरस्थ जिलों के प्रमुख कांग्रेस नेताओं, विधायकों एवं जिलाध्यक्षों की बैठक सायं 4 बजे राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने डिजिटल माध्यम से लेकर रैली की तैयारियों से संबंधित दिशा-निर्देश प्रदान किये।

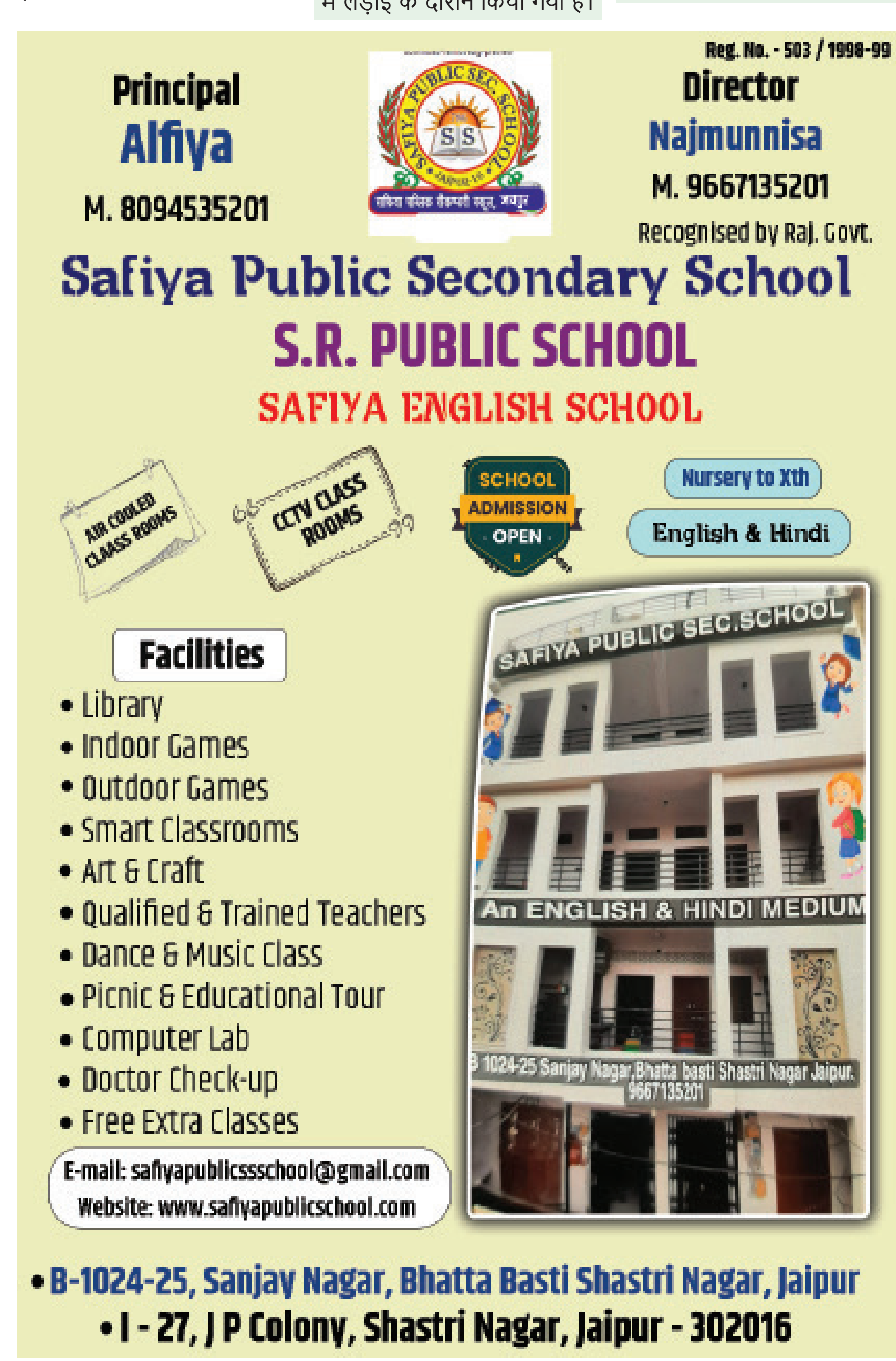

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com